■ माघ कृष्णा - 14 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 195 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 09-02-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

JPRPARK INFRA LLP
रेरा रजि. नं. RAJ/P/2024/2965
www.rera.rajasthan.gov.in

मुख्यमंत्री
जन आवास योजना

मानसरोवर विस्तार
जयपुर में
आवासीय फ्लैट्स
के प्रथम चरण हेतु लॉटरी द्वारा आवंटन

मुख्यमंत्री
जन आवास योजना-3A
के तहत जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित एवं
रियल एस्टेट रेगुलेशन एक्ट में पंजीकृत आवासीय योजना

आवेदन की अंतिम तिथि
13 फरवरी, 2024

1BHK पंजीकरण राशि ₹65,000
कुल राशि ₹23 लाख*

3BHK पंजीकरण राशि ₹95,000
कुल राशि ₹42 लाख*

जे पार्क
मानसरोवर विस्तार
जयपुर

90% तक लोन उपलब्ध
विश्वस्तरीय क्लब हाउस व स्विमिंग पूल

केन्द्रीय व राज्य कर्मचारियों, कॉर्पोरेट्स एवं प्रवासी राजस्थानवासियों के लिए 2 लाख रुपये तक की विशेष छूट।

संपर्क करें
9057133344
8000322781

आवेदन हेतु
www.cmjanaawas.com

उपभोक्ता मांग, निजी निवेश में सुधार से अगले वित्त वर्ष में वृद्धि दर 7% रहेगी : आरबीआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का अनुमान है कि परिवारों का उपभोग बढ़ने और निजी निवेश में सुधार से अगले वित्त वर्ष 2024-25 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर सात प्रतिशत रहेगी। हालांकि, यह राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के चालू वित्त वर्ष (2023-24) के 7.3 प्रतिशत के अनुमान से कम है। भारतीय अर्थव्यवस्था 2022-23 में 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी।

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने बृहस्पतिवार को द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए कहा कि ग्रामीण मांग में तेजी जारी है, शहरी खपत मजबूत बनी हुई है और पूंजीगत व्यय में वृद्धि के कारण निवेश चक्र रफ्तार पकड़ रहा है। निजी निवेश में भी सुधार के संकेत दिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि रबी बुवाई में सुधार, विनिर्माण क्षेत्र के लाभ में सतत वृद्धि और सेवा क्षेत्र में अंतर्निहित मजबूती से 2024-25 में आर्थिक गतिविधियों को समर्थन मिलेगा। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर सात प्रतिशत रहने का अनुमान है। जून और सितंबर तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर क्रमशः 7.2 प्रतिशत और 6.8 प्रतिशत रहेगी। वहीं दिसंबर और मार्च तिमाही में इसके सात प्रतिशत और 6.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

दास ने मांग पक्ष का जिक्र करते हुए कहा कि परिवारों के उपभोग में सुधार की उम्मीद है। इसके अलावा निश्चित निवेश की संभावनाएं भी चमकदार बनी हुई हैं। ''इसके अलावा कारोबारी धारणा मजबूत है, बैंकों और कंपनियों के बही-खातों की स्थिति बेहतर है और सरकार लगातार पूंजीगत व्यय पर जोर दे रही है। उन्होंने कहा कि वैश्विक व्यापार के परिदृश्य में सुधार और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के लगातार बढ़ते एकीककरण से शुद्ध बाहरी मांग को समर्थन मिलेगा।

हालांकि, इसके साथ ही केंद्रीय बैंक ने कहा कि भूराजनीतिक तनाव, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उतार-चढ़ाव वृद्धि परिदृश्य के लिए जोखिम है।

दास ने कहा, वैश्विक वृद्धि 2024 में स्थिर बनी रहने की उम्मीद है। पिछले काफी संकट वाले साल में इसने हैरान करने वाला जुझारू प्रदर्शन किया है। मुद्रास्फीति कई दशक के उच्चस्तर से नीचे आ रही है।

भारत में डेवलपर्स और विकास की गति 'अविश्वसनीय': सत्या नडेला

बेंगलूरु। माइक्रोसॉफ्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सत्य नडेला ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत में डेवलपर्स और विकास की गति ''अविश्वसनीय'' है। उन्होंने स्वास्थ्य देखभाल तथा शिक्षा जैसे क्षेत्रों में कृत्रिम मेधा (एआई) बदलाव की अनिवार्यताओं पर अपने विचार साझा किए और कोपायलट एआई सहायक से जुड़े नवाचार की बात की। नडेला ने भारत में 'कोड विदआउट बैरियर' पहल के विस्तार की भी घोषणा की और कहा कि इससे 2024 तक 75,000 महिला डेवलपर्स को मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, ''भारत एक ऐसी जगह है जहां डेवलपर्स और विकास की गति अविश्वसनीय है।'' माइक्रोसॉफ्ट के प्रमुख ने 'माइक्रोसॉफ्ट कोपायलट' के साथ व्यापार में उत्पादकता को बढ़ाने, 'माइक्रोसॉफ्ट एज़्योर' के साथ परिवर्तनकारी एआई समाधान बनाने और एआई सुरक्षा के बारे में भी बात की। नडेला ने कहा कि वह भारत में नए, नवोन्मेषी स्टार्टअप को देखकर उत्साहित हैं। उम्मीद है कि भारत सबसे बड़े डेवलपर समुदाय के रूप में अमेरिका से आगे निकल जाएगा। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि भारत 2027 तक गिटहब पर सबसे बड़े डेवलपर समुदाय के रूप में अमेरिका से आगे निकल जाएगा। गिटहब एक वेब-आधारित सेवा है जो सॉफ्टवेयर परियोजनाओं के कोड आदि रखने की सुविधा देती है।

असम में निर्माण गतिविधियों से बड़े पैमाने पर रोजगार का सृजन हुआ: हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि असम में जारी निर्माण गतिविधियों के कारण राज्य में बड़े पैमाने पर रोजगार का सृजन हुआ है। उन्होंने कहा कि अपेक्षित कौशल की कमी के कारण रोजगार की तलाश में युवा दूसरे राज्यों की ओर पलायन कर रहे हैं और वहां कम वेतन वाली नौकरियां कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को धेमाजी जिले के गोगामुख में एक कौशल प्रशिक्षण केंद्र के उद्घाटन के अवसर पर यह बात कही। उन्होंने राज्य के युवाओं के नए जमाने और आधुनिक तकनीकी कार्यों में प्रशिक्षित होने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि वे देश-विदेश में उपलब्ध लाभकारी नौकरी के अवसरों के लिए खुद को तैयार कर सकें। असम सरकार ने पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के कौशल को बढ़ाने, निर्माण उद्योग में प्रशिक्षित संसाधनों को संरेखित करने और प्रशिक्षुओं को भविष्य के कौशल और आधुनिक तकनीक से जोड़ने के उद्देश्य से केंद्र स्थापित करने के लिए लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) के साथ हाथ मिलाया है। शर्मा ने युवाओं से खुद को सौर प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षित करने की भी अपील की ताकि क्षेत्र में रोजगार और कमाई के अवसर उनके हाथ से न निकल पाएं। अभियांत्रिकी कंपनी इस सुविधा केंद्र में 90 दिवसीय प्रशिक्षण पूरा करने वालों को रोजगार के अवसर प्रदान करेगी।

गृह मंत्री अमित शाह इस सप्ताह के अंत में कर्नाटक का दौरा करेंगे

बेंगलूरु। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस सप्ताह के अंत में मैसूरु का दौरा करेंगे। इस दौरान शाह के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं की बैठक सहित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने की संभावना है। पार्टी की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। विजयेंद्र ने कहा, अमित शाह के कार्यक्रम में थोड़ा बदलाव हुआ है। अब मिली जानकारी के अनुसार, वह 10 फरवरी की रात को दिल्ली से सीधे मैसुरु पहुंचेंगे। 11 फरवरी की सुबह वह चामुंडी पहाड़ियों की यात्रा करेंगे और वहां मंदिर में देवी चामुंडेश्वरी (मैसूरु की अधिष्ठात्री देवी) की पूजा करेंगे और विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे। यहां पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, 'शाम को वह सुत्तुरु जतरा (मेला) में भाग लेने के लिए सुत्तुरु में होंगे। हम भाजपा कार्यकर्ताओं की एक बैठक आयोजित करने की भी योजना बना रहे हैं। इस संबंध में चर्चा की जा रही है।' भाजपा और जनता दल (एस) ने गठबंधन किया है और कर्नाटक में लोकसभा चुनाव मिलकर लड़ने का फैसला किया है। दोनों दलों के बीच सीट बंटवारे पर बातचीत जारी है। साल 2019 के चुनाव में भाजपा ने कर्नाटक की कुल 28 लोकसभा सीट में से 26 पर जीत हासिल की थी, जिसमें मंड्या से पार्टी द्वारा समर्थित निर्दलीय सुमलता अंबरीश भी शामिल थीं।

दिसंबर तक चेन्नई-बेंगलूरु एक्सप्रेसवे का काम पूरा करने का प्रयास : गडकरी

बेंगलूरु/नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि चेन्नई-बेंगलूरु ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे का काम इस साल दिसंबर तक पूरा होने की संभावना है। उन्होंने लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान कुछ सदस्यों के पूरक प्रश्नों के उत्तर में यह जानकारी दी। गडकरी ने तमिलनाडु और केरल की सरकारों से आग्रह किया कि वे संबंधित राज्यों में परियोजनाओं के लिए निर्माण सामग्री उपलब्ध कराने में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की मदद करें। मंत्री ने कहा, ''मैं सदन को विश्वास दिला रहा हूं कि हम दिसंबर से पहले राजमार्ग को पूरा करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। चेन्नई और बेंगलूरु के बीच की दूरी दो घंटे के भीतर तय की जा सकती है।'' गडकरी ने बताया कि उन्होंने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से भी बात की है और उन्हें राज्य में राजमार्गों के निर्माण में एनएचएआई के सामने आने वाली समस्याओं से अवगत कराया है। द्रमुक सदस्य दयानिधि मारन द्वारा उठाए गए एक सवाल के जवाब में गडकरी ने कहा, ''मैं इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं करना चाहता। लेकिन समग्रता हासिल किए बिना, सड़क निर्माण के लिए आवश्यक सभी चीजें प्राप्त किए बिना, हमारे लिए सड़क को पूरा करना कैसे संभव है।''

सरसों का दाम एमएसपी से नीचे आया, तो सरकार इसकी खरीद करेगी : मुंडा

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और जनजातीय कार्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा है कि सरसों का दाम न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से नीचे जाता है, तो सरकार एमएसपी पर किसानों से इसकी खरीद करेगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए जरूरी व्यवस्था की गई है।

मुंडा ने एक बयान में कहा, केंद्र सरकार द्वारा रबी विपणन सत्र के दौरान मूल्य समर्थन योजना या पीएसएस के अंतर्गत सरसों की खरीद की तैयारियां की गई हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के लिए किसानों का हित सर्वोपरि है। यदि सरसों का दाम एमएसपी से नीचे जाता है तो सरकार ने किसानों से एमएसपी पर इसकी खरीद के लिए आवश्यक व्यवस्था की है। उन्होंने बताया कि रबी विपणन सत्र (आरएमएस) के लिए, केंद्रीय नोडल एजेंसियों को पहले से ही मूल्य समर्थन योजना के तहत सरसों की खरीद के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया गया है, ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की कठिनाई न हो। रबी विपणन सत्र-2023 के दौरान गुजरात, हरियाणा, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और असम राज्यों से मूल्य समर्थन योजना के तहत खरीद के लिए 28.24 लाख टन सरसों की मंजूरी दी गई थी।

संप्रग के कार्यकाल की चुनौतियों पर राजग ने काबू पाया, अर्थव्यवस्था उच्चवृद्धि की राह पर : श्वेत पत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को भारतीय अर्थव्यवस्था पर एक 'श्वेत पत्र' संसद में पेश किया।

श्वेत पत्र में कहा गया है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार से विरासत में मिली चुनौतियों पर पिछले 10 वर्षों में सफलतापूर्वक काबू पाया है। साथ ही भारत को उच्च वृद्धि के रास्ते पर लाने के लिए 'कड़े फैसले' किए हैं। कुल 59 पृष्ठ के 'भारतीय अर्थव्यवस्था पर श्वेत पत्र' में कहा गया है कि जब 2014 में नरेन्द्र मोदी सरकार ने सत्ता संभाली, तो अर्थव्यवस्था नाजुक स्थिति में थी, सार्वजनिक वित्त खराब स्थिति में था। साथ ही आर्थिक कुप्रबंधन, वित्तीय अनुशासनहीनता और व्यापक भ्रष्टाचार का बोलबाला था। सीतारमण द्वारा लोकसभा में पेश किए गए दस्तावेज में कहा गया है, यह संकटपूर्ण स्थिति थी। अर्थव्यवस्था को चरण दर चरण सुधारने और शासन प्रणालियों को व्यवस्थित करने की जिम्मेदारी बहुत बड़ी थी। श्वेत पत्र के मुताबिक, संप्रग सरकार आर्थिक गतिविधियों को सुचारू रूप देने में बुरी तरह विफल रही। इसके बजाय संप्रग सरकार ने बाधाएं पैदा कीं, जिससे अर्थव्यवस्था पीछे रह गई। इस दस्तावेज में साथ कहा कि 2014 में राजग सरकार को विरासत में बेहद कमजोर अर्थव्यवस्था मिली थी। श्वेत पत्र में कहा गया कि मोदी सरकार ने व्यापक आर्थिक बेहतरी के लिए कठोर निर्णय लेने की जरूरत को समझा।

केरल के एलडीएफ ने केन्द्र सरकार के खिलाफ किया विरोध प्रदर्शन, राज्यपाल पर दखलंदाजी का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केरल के वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के नेताओं, सांसदों ने मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की अगुवाई में केन्द्र सरकार के खिलाफ यहां बृहस्पतिवार को जंतर मंतर पर प्रदर्शन किया। विजयन ने केन्द्र सरकार पर राज्यों को कर में उनका हिस्सा नहीं देने तथा विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों में राज्यपालों के जरिए सरकार के कामकाज में बाधा डालने का आरोप लगाया।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला, द्रमुक नेता तिरुचि शिवा और पलानीवेल त्यागराजन, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के महासचिव सीताराम येचुरी और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव डी राजा भी विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। विजयन ने अपने संबोधन में इन आरोपों को भी खारिज किया कि इस प्रदर्शन से उत्तर-दक्षिण के बीच खाई बढ़ेगी। केरल के मुख्यमंत्री ने कहा कि वह यहां इसलिए हैं कि राज्य के लोगों के हितों पर भी ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा, हम सभी इसके खिलाफ अपना कड़ा विरोध दर्ज कराने और भारत के संघीय ढांचे को बनाए रखने के लिए एक साथ आए हैं। आज हम नए सिरे से लड़ाई की शुरुआत कर रहे हैं जो राज्यों के साथ न्यायसंगत व्यवहार सुनिश्चित करने की शुरुआत करेगी। विजयन ने कहा कि विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों में राज्यपाल केंद्र सरकार के ''इशारे'' पर काम कर रहे हैं और राज्य सरकार के काम में बाधा डाल रहे हैं। उन्होंने कहा, जिस प्रकार से विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों में राज्यपाल कामकाज कर रहे हैं उससे केन्द्र बनाम राज्य की मानसिकता प्रदर्शित होती है। संवैधानिक रूप से, राज्यपालों को राज्य मंत्रिमंडलों की सलाह पर अपने कर्तव्यों का पालन करना होता है। लेकिन हम विपक्ष शासित राज्यों में राज्यपालों द्वारा उन्हें नियुक्त करने वाली शक्तियों यानी केंद्र सरकार के इशारे पर काम करने के रुख को देख सकते हैं। विजयन ने यह भी कहा कि उनका विरोध प्रदर्शन देश में संघवाद को बचाने के लिए है।

अन्याय को बढ़ावा देना और नफरत फैलाना भाजपा के दो सूत्री कार्यक्रम : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायगढ़/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा और कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी के दो सूत्री कार्यक्रम हैं -अन्याय को बढ़ावा देना और नफरत तथा हिंसा फैलाना।

राहुल की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' ओडिशा से छत्तीसगढ़ पहुंची, जहां उन्होंने रायगढ़ जिले के रेंगालपाली गांव में एक जनसभा को संबोधित किया। छत्तीसगढ़ विधानसभा के लिए नवंबर 2023 में हुए चुनाव और पार्टी की सत्ता से विदाई के बाद राहुल गांधी का राज्य का यह पहला दौरा है।

कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भी निशाना साधा और दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जन्म अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से ताल्लुक रखने वाले परिवार में नहीं हुआ, क्योंकि उनकी जाति 'घांची' को गुजरात की भाजपा सरकार ने 2000 में ओबीसी में शामिल किया था। राहुल गांधी ने कहा कि एक साल पहले, भाजपा के 'नफरत फैलाने और हिंसा का माहौल बनाने' के कृत्य के खिलाफ 'भारत जोड़ो यात्रा' ने कन्याकुमारी से कश्मीर तक (2022-23 में) लगभग 4,000 किलोमीटर की दूरी तय की थी। उन्होंने कहा कि अब भारत जोड़ो न्याय यात्रा लोगों के न्याय की मंशा के साथ शुरू हुई है। राहुल गांधी ने कहा कि 'भारत जोड़ो यात्रा' से खूबसूरत नारा 'नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान'निकला। यह नारा कांग्रेस की विचारधारा को प्रकट करता है।

केरल के वायनाड से लोकसभा सदस्य ने कहा, उन्होंने नफरत की दुकान खोली है और हमने मोहब्बत की दुकान। वे हिंसा का बाजार चलाते हैं, हम अहिंसा की दुकान।

उप्र में एक-दो माह में पांच और हवाई अड्डे चालू होंगे, जेवर से उड़ान इस साल के अंत तक : सिंधिया

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने लोकसभा को अवगत कराया कि उत्तर प्रदेश में एक-दो माह में पांच और हवाई अड्डों का परिचालन शुरू हो जाएगा, जबकि जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा इस साल के अंत तक शुरू हो जाएगा। सरकार ने कहा कि जय प्रकाश नारायण और पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर से संबद्ध बलिया क्षेत्र में हवाई अड्डे के लिए यदि राज्य सरकार की ओर से कोई प्रस्ताव आता है तो वह अवश्य विचार करेगी। सिंधिया ने सदन में प्रश्नकाल के दौरान एक पूरक प्रश्न के उत्तर में यह बात कही। भारतीय जनता पार्टी के रवीन्द्र कुशवाहा ने कुशीनगर से नियमित उड़ान तथा बलिया में एक हवाई अड्डा के निर्माण की सरकार की योजना के बारे में सरकार से पूछा था।

गोकुलपुरी मेट्रो स्टेशन का एक हिस्सा ढहने से व्यक्ति की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उत्तर-पूर्वी दिल्ली में पिंक लाइन पर गोकुलपुरी मेट्रो स्टेशन का एक हिस्सा बृहस्पतिवार को ढह गया जिससे 53 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने मृतक के परिजनों के लिए 25 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की है।

इस घटना में स्टेशन के प्लेटफॉर्म की दीवार (पूर्वी तरफ) का एक हिस्सा सड़क पर गिर गया और इस दौरान व्यक्ति अपने स्कूटर पर सवार था।

पुलिस ने मृतक की पहचान पास के करावल नगर इलाके की शहीद भगत सिंह कॉलोनी के रहने वाले विनोद कुमार के रूप में की है।

डीएमआरसी ने आधिकारिक बयान में बताया कि गंभीर रूप से घायलों के लिए पांच लाख रुपये और मामूली रूप से घायलों को एक लाख रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। इस दुर्घटना के बाद दो अधिकारियों को भी निलंबित कर दिया गया है।

बयान में कहा गया, डीएमआरसी के दो अधिकारियों यानी एक प्रबंधक और सिविल विभाग के एक कनिष्ठ अभियंता को तत्काल रूप से निलंबित कर दिया गया है।

इसमें कहा गया है कि डीएमआरसी इस घटना की वजह बनी परिस्थितियों की जांच करेगी ताकि भविष्य में ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक उपाय किए जा सकें।

पुलिस के मुताबिक, घटना में चार और लोग घायल हुए हैं जिनका दिलशाद गार्डन के जीटीबी अस्पताल में इलाज चल रहा है। मलबे की चपेट में दो मोटर साइकिलें और दो स्कूटर क्षतिग्रस्त हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना अपराह्न 11 बजे हुई जब प्लेटफॉर्म की दीवार (पूर्वी तरफ) का एक हिस्सा नीचे सड़क पर गिर गया। वहीं, दीवार का कुछ हिस्सा अभी भी लटका हुआ है।

बेंगलूरु दोहरे हत्याकांड से दहला कुंबारपेट, आरोपी ने पुलिस के सामने किया समर्पण

बेंगलूरु। यहां के कुम्बरपेट इलाके में दो व्यापारियों की बुधवार रात चाकू मारकर हत्या कर दी गई। यह जानकारी पुलिस ने दी। मृतकों की पहचान 55 वर्षीय सुरेश और 68 वर्षीय महेंद्र के रूप में हुई है। आरोपी की पहचान बेंगलूरु के मूल निवासी भद्रा के रूप में की गई है। अपराध को अंजाम देने के बाद उसने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस के मुताबिक, यह घटना संपत्ति विवाद को लेकर हरि मार्केटिंग बिल्डिंग के परिसर में हुई। शुरुआती जांच से पता चला है कि विवाद मुख्य सड़क पर स्थित कुंबार ट्रस्ट के अंतर्गत चार मंजिली इमारत एक सामुदायिक संघ को सौंपने को लेकर हुआ था। मामला अदालत में लंबित था माना जा रहा है कि अदालत अपना निर्णय सुरेश के पक्ष में करने वाली थी। आरोपी भद्रा इस मामले के बारे में बात करने के लिए पीड़ितों में से एक सुरेश के पास गया था। सुरेश से बात करते समय आरोपी ने उस पर चाकू से वार कर दिया। इस बीच, महेंद्र जो वहां उपस्थित था, सुरेश को बचाने के लिए दौड़ा और भद्रा ने उसे भी चाकू से हमला कर दिया। हालांकि दोनों पीड़ितों ने भागने की कोशिश की, लेकिन आरोपी भद्रा ने हाथ में चाकू लेकर उनका पीछा किया और उन पर बार-बार वार कर हत्या कर दी।

न्यायालय ने आरक्षण के लिए एससी, एसटी में वर्गीकरण करने के राज्य संबंधी अधिकार पर फैसला सुरक्षित रखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

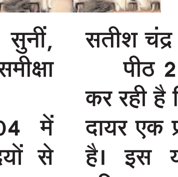

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को उस कानूनी सवाल पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया कि क्या किसी राज्य सरकार को दाखिले और सरकारी नौकरियों में आरक्षण देने के लिए अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) में उप-वर्गीकरण करने का अधिकार है। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व वाली सात-न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और राज्यों की तरफ से पेश वरिष्ठ अधिवक्ताओं की दलीलें सुनीं, जिसमें ईवी चिन्नैया फैसले की समीक्षा का अनुरोध किया गया।

शीर्ष अदालत ने 2004 में फैसला सुनाया था कि सदियों से बहिष्कार, भेदभाव और अपमान झेलने वाले एससी समुदाय सजातीय वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिनका उप-वर्गीकरण नहीं किया जा सकता। पीठ में न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी, न्यायमूर्ति पंकज मिथल, न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र मिश्रा शामिल हैं।

पीठ 23 याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है जिनमें पंजाब सरकार द्वारा दायर एक प्रमुख याचिका भी शामिल है। इस याचिका में पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के 2010 के फैसले को चुनौती दी गई है। शीर्ष अदालत 'ईवी चिन्नैया बनाम आंध्र प्रदेश राज्य' मामले में 2004 के पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ के फैसले पर फिर से विचार करने के संदर्भ में सुनवाई कर रही है, जिसमें यह कहा गया था कि एससी और एसटी समरूप समूह हैं।

फैसले के मुताबिक, इसलिए, राज्य इन समूहों में अधिक वंचित और कमजोर जातियों को कोटा के अंदर कोटा देने के लिए एससी और एसटी के अंदर वर्गीकरण पर आगे नहीं बढ़ सकते हैं। चिन्नैया फैसले में कहा गया था कि अनुसूचित जातियों का कोई भी उप-वर्गीकरण संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) का उल्लंघन होगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
उपलब्ध
PURVA BLUE BELLE
Adjacent to Magadi Road Metro Station
(Purple lane) Rajajinagar
3 Bedroom Jodi units
5 Bedroom + Servant room with all
Luxurious Amenities.
Direct metro from here to ITPL (white field) /
KR PURAM/ BYYAPPANAHALLI .
Very good Convenience
those who are working above areas.
Only few units left for Sale.
Contact Owner: 9844027560

■ माघ कृष्णा - 14 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 195 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 09-02-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 युवाओं की सुरक्षा के लिए हुक्का उत्पादों पर प्रतिबंध : दिनेश गुंडूराव
6 यूपी को कांग्रेस और 'गांधी' मुक्त करने की तैयारी
7 गॉसिप के बाद फीस बढ़ाने पर विचार कर सकती हैं रश्मिका मंदाना

09-02-2024 सूर्यास्त 6:23 बजे	10-02-2024 सूर्योदय 6:44 बजे
BSE 71,428.43 (-723.57)	NSE 21,717.95 (-212.55)

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

द्वैष राग

पीछा ना छोड़े कभी भूत,
कब्रों से उखड़ेंगे मुर्दे।
भयभीत नहीं होंगे वे ही,
मजबूत बने जिनके गुर्दे।
आलाप रहे हैं द्वैष राग,
बेसुरे कंठ अपने सुर दे।
अब सिखा रहे हैं बीज मंत्र,
चेले ही गुरुओं को गुर दे।।

हल्द्वानी में अवैध मदरसा और नमाज स्थल हटाने पर भड़की हिंसा

- खास समुदाय की ओर से पथराव
- कई पुलिसकर्मी और अनेक लोग घायल
- अनेक गाड़ियों को किया गया आग के हवाले

हल्द्वानी/नैनीताल/वार्ता। उत्तराखंड में हल्द्वानी के बनफूलपुरा में अवैध मदरसा और नमाज स्थल हटाने के दौरान गुरुवार शाम को भारी बवाल हो गया।

खास समुदाय की ओर से किए गए पथराव में कई पुलिसकर्मी और अन्य लोग घायल हो गये। उपद्रवियों ने कई गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया गया है। समाचार लिखे जाने तक बवाल जारी था।

दूसरी ओर देहरादून में सरकार हरकत में आ गयी और बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री ने इस मामले में एक उच्चस्तरीय बैठक बुलाई है। हालात पर नियंत्रण के लिये पीएसी और दूसरे जिलों से भारी पुलिस बल हल्द्वानी बुलाया गया है।

भारत-म्यांमार सीमा पर मुक्त आवागमन की व्यवस्था समाप्त

नई दिल्ली/वार्ता। गृह मंत्रालय ने देश की आंतरिक सुरक्षा को सुनिश्चित करने और म्यांमार सीमा से लगे देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र में जनसांख्यिकीय संरचना को कायम रखने के उद्देश्य से म्यांमार के साथ खुली आवागमन व्यवस्था को समाप्त करने का फैसला किया है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरूवार को यहां सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर यह जानकारी दी। उन्होंने इस पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प देश की सीमाओं को सुरक्षित करना है। उन्होंने कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा को सुनिश्चित करने और म्यांमार सीमा से लगे भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में जनसांख्यिकीय संरचना को कायम रखने के उद्देश्य से गृह मंत्रालय ने म्यांमार के साथ मुक्त आवागमन व्यवस्था को खत्म करने का फैसला किया। शाह ने कहा कि गृह मंत्रालय ने इस व्यवस्था को तत्काल रद्द करने की सिफारिश की है और विदेश मंत्रालय इस व्यवस्था को खत्म करने की प्रक्रिया पूरी कर रहा है।

कांग्रेस के 'ब्लैक पेपर' पर मोदी ने किया कटाक्ष

देश की समृद्धि को नजर ना लगे, इसके लिए 'काला टीका' बहुत जरूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को देश के लिए पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की सराहना करते हुए उन्हें 'प्रेरक उदाहरण' बताया और कहा कि जब भी लोकतंत्र की चर्चा होगी तो उनके योगदान को याद किया जाएगा।

राज्यसभा से सेवानिवृत्त हो रहे सदस्यों की विदाई के अवसर पर उच्च सदन को संबोधित करते हुए उन्होंने कांग्रेस की ओर से केंद्र सरकार के खिलाफ 'ब्लैक पेपर' जारी किए जाने का स्वागत भी किया और विपक्षी पार्टी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि देश की समृद्धि को नजर ना लगे, इसके लिए 'काला टीका' बहुत जरूरी होता है। प्रधानमंत्री ने शारीरिक अस्वस्थता के बावजूद

सदन की कार्यवाही में भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए मनमोहन सिंह की सराहना की और उनके दीर्घायु होने की भी कामना की। मोदी जब मनमोहन सिंह की सराहना कर रहे थे तो पूर्व प्रधानमंत्री सदन में मौजूद नहीं थे। मनमोहन सिंह सहित उच्च सदन के 68 सदस्य फरवरी से मई महीने के बीच सेवानिवृत्त हो रहे हैं। वह उच्च सदन में राजस्थान का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मैं विशेष रूप से मनमोहन सिंह जी का स्मरण करना चाहूंगा। छह बार इस सदन में वो अपने मूल्यवान विचारों से और नेता के रूप में भी और प्रतिपक्ष में भी नेता के रूप में उनका बहुत बड़ा योगदान रहा है। मोदी ने कहा कि वैचारिक मतभेदों के कारण कभी बहस के दौरान छींटाकशी हो जाती है लेकिन वह बहुत अल्पकालीन होता है। उन्होंने कहा, लेकिन इतने लंबे अरसे तक जिस प्रकार से उन्होंने इस सदन का मार्गदर्शन किया है, देश का मार्गदर्शन किया है, वो हमेशा-हमेशा जब भी हमारे लोकतंत्र की चर्चा होगी... कुछ सदस्यों की जो चर्चा होगी, उसमें डॉ. मनमोहन सिंह की योगदान की चर्चा जरूर होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि जो भी सदस्य इस सदन में आता है, वह चाहे किसी भी दल का क्यों न हो, अपने कार्यकाल के दौरान वह अपनी प्रतिभा और व्यवहार के दर्शन जरूर कराता है।

।। श्री महावीर स्वामिने नमः।। ।। सुमतिनाथाय नमः।। ।। श्री स्तंभन पार्श्वनाथाय नमः।। ।। अनंत लब्धिनिधानाय श्री गौतमस्वामिने नमः।। ।। खरतरबिरुदधारक श्री जिनेश्वरसूरिभ्यो नमः।।
।। दादा गुरुदेव श्री जिनदत्त-मणिधारी-जिनचन्द्र-जिनकुशल-जिनचन्द्रसूरि-सद्गुरुभ्यो नमः।। ।। पूज्य गणनायक श्री सुखसागर-सद्गुरुभ्यो नमः।।

श्री सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ
मागड़ी रोड, बेंगलूरु के तत्वावधान में भव्यातिभव्य

श्री सुमतिनाथ जिनालय सह दादावाड़ी, गुरु मंदिर अंजनशलाका प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव व भागवती दीक्षा महोत्सवे

सकल श्रीसंघ को हार्दिक आमंत्रण
महामहोत्सव : 5 फरवरी से 12 फरवरी 2024 तक

अंजनशलाका प्रतिष्ठा निश्रादाता : पूज्य गुरुदेव युग दिवाकर, अंवति तीर्थोद्धारक
खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा.
आदि विशाल श्रमण-श्रमणी वृंद

पावनकारी सान्निध्यता : श्री प्रेम भुवनभानु समुदायवर्ती श्रमणी गणनायक प.पू.
आचार्यश्री अभयशेखसूरीश्वरजी म.सा. एवं ओजस्वी प्रवचनकार, क्रांतिकारी
आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी म.सा,आदि विशाल श्रमण-श्रमणी वृंद

पंचम दिवस : शुक्रवार, 9 फरवरी 2024
मंदिर कार्यक्रम : परमात्मा के 18 अभिषेक, ध्वजदंड, कलश, प्रासाद अभिषेक
स्टेज कार्यक्रम : प्रियवंदा द्वारा जन्म बधाई, बुआ द्वारा नाम स्थापना, पाठशाला गमन, परमात्मा का मामेरा, विवाह महोत्सव, राज्याभिषेक आदि
दोपहर 2 बजे: दादा गुरुदेव की पूजा, 2.30 बजे : मेहंदी, सांझी व दीक्षार्थी हल्दी कार्यक्रम
रात्रि 8 बजे : दीक्षार्थी अभिनंदन व विदाई समारोह
तीनों समय की नवकारशी

षष्ठम दिवस : शनिवार, 10 फरवरी 2024
मंदिर कार्यक्रम : देवी पूजन
सुबह 8 बजे : परमात्मा का दीक्षा कल्याणक व मुमुक्ष शोभाजी कोटड़िया का वर्षीदान वरघोड़ा
स्टेज कार्यक्रम : दीक्षा कल्याणक विधान
दोपहर 2 बजे : दीक्षार्थी अंतिम वायणा
मध्यरात्रि के मंगल मुहूर्त में अधिवासना व अंजनशलाका महाविधान
परमात्मा की प्रथम देशना, निर्वाण कल्याणक के अभिषेक
तीनों समय की नवकारशी

सप्तम दिवस : रविवार, 11 फरवरी 2024
मंदिर में सुबह 6 बजे से
शुभ मुहूर्त में माणक स्तंभ आरोपण, तोरण विधान,
परमात्मा की मंगलकारी प्रतिष्ठा
प्रात 9 बजे : मंगल मुहूर्त में भागवती दीक्षा
दोपहर में अष्टोत्तरी शांति स्नात्र महापूजन
प्रतिष्ठा पश्चात सकलश्री संघ का शाही करबा व फलेचुन्दड़ी (बड़ी नवकारशी)
आप सभी लाभ लिरावें

अष्ठम दिवस : सोमवार, 12 फरवरी 2024
प्रातः 6 बजे द्वारोद्घाटन एवं सत्तरभेदी पूजा
सुबह का नाश्ता

उपरोक्त सभी कार्यक्रम में आप सभी सपरिवार सादर आमंत्रित हैं।

कार्यक्रम स्थल
श्री कौशल्यानगरी (बापूजी विद्यार्थी निलया)
आरोग्य सौधा के सामने, मागड़ी रोड़, बेंगलूरु

निवेदक : श्री सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ 7वां क्रॉस (लेफ्ट साइड) मागड़ी रोड, बेंगलूरु 23, सम्पर्क नं. 98448 19599

राजस्थान सरकार ने पेश किया लेखानुदान

70,000 पदों पर भर्तियों की घोषणा

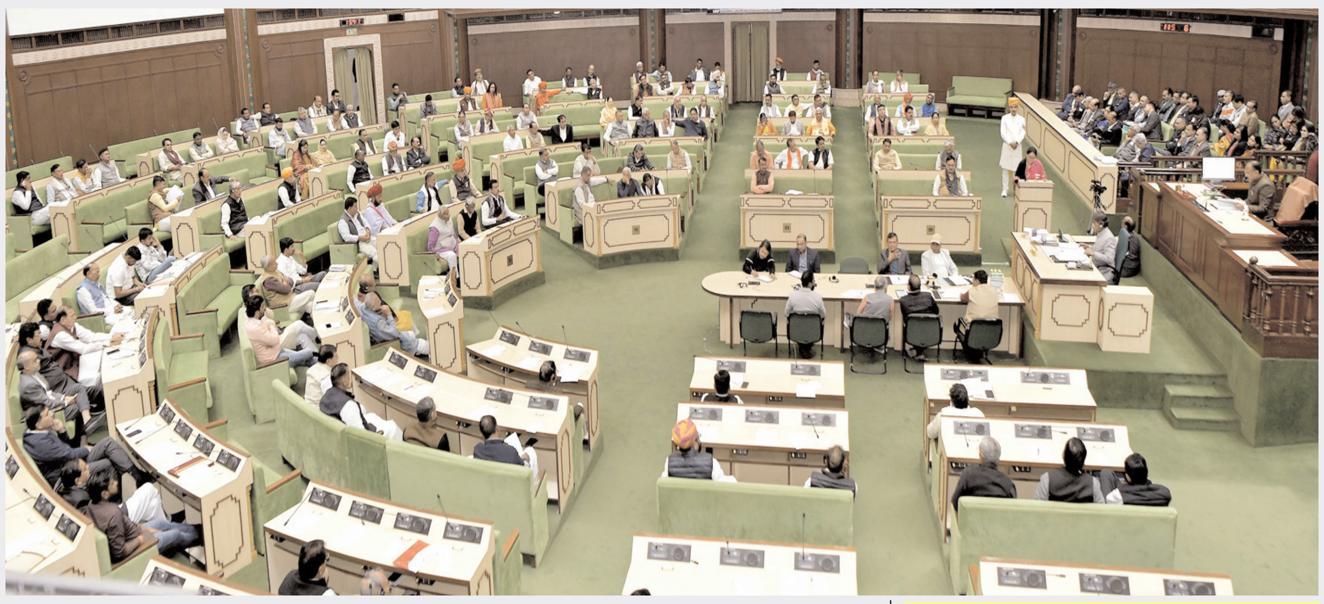

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की वित्त मंत्री दीया कुमारी ने बृहस्पतिवार को विधानसभा में लेखानुदान या अंतरिम बजट पेश किया जिसमें उन्होंने 70,000 पदों पर भर्तियां करने, गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना के तहत एक लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त अल्पकालिक ऋण देने, जयपुर के निकट 'हाईटेक सिटी' विकसित करने, 'लाडो प्रोत्साहन योजना' के तहत गरीब परिवारों की बालिकाओं के जन्म पर एक लाख रुपये का सेविंग बॉन्ड देने सहित कई घोषणाएं की गईं। पिछले साल दिसंबर में सत्ता में आई भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार का यह पहला अंतरिम बजट था।

उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उसके कार्यकाल में राज्य जहां एक ओर विपरीत वित्तीय स्थिति में आ गया, वहीं दूसरी ओर गलत नीतियों, भ्रष्टाचार, लचर कानून व्यवस्था, कुशासन एवं तुष्टिकरण के कारण प्रदेश के विकास की गति भी मंद हुई। उन्होंने कहा, इन चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना करते हुए हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार के सहयोग के साथ-साथ, हमारी सरकार की ठोस कार्ययोजना, सुशासन एवं कठिन परिश्रम से प्रदेश को सतत विकास के मार्ग पर ले जायेंगे।' उन्होंने कहा कि पूर्व सरकार के कार्यकाल में राज्य पर कुल ऋण भार दोगुना होकर लगभग 5.79 लाख करोड़ रुपये हो गया। उन्होंने कहा कि पूर्व सरकार ने 2.24 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लिया लेकिन पूंजीगत व्यय केवल 93,577 करोड़ रुपये रहा।

वित्त मंत्री ने कहा कि वर्ष 2024-25 के वार्षिक वित्तीय विवरण तथा अन्य बजट पत्रों के साथ कुछ अधिसूचनायें जारी की जा रही हैं तथा अनुदान मांगें भी प्रस्तुत की जा रही हैं। उन्होंने कहा, 'चूंकि आगामी लोकसभा चुनाव के कारण बजट प्रस्तावों पर विधानसभा में चर्चा कराकर 31 मार्च, 2024 से पूर्व वार्षिक बजट पारित कराया जाना संभव नहीं है। अतः मैं, वित्त वर्ष 2024-25 के पहले चार महीनों के लिए यथा-31 जुलाई, 2024 तक व्यय हेतु लेखानुदान का प्रस्ताव प्रस्तुत कर रही हूं। यानी वित्त वर्ष 2024-25 का पूर्ण बजट जुलाई में पेश किया जाएगा। बाद में सदन ने राजस्थान विनियोग (संख्या-1) विधेयक, 2024 तथा राजस्थान विनियोग (लेखानुदान)(संख्या-2) विधेयक, 2024 को ध्वनिमत से पारित कर दिया।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान में 2004 से ही वित्त विभाग मुख्यमंत्री के पास रहता आया है। यानी मुख्यमंत्री ही वित्त मंत्री के रूप में बजट पेश करते थे, लेकिन इस बार इस बार परिपाटी बदल गई। इस दौरान की गई प्रमुख घोषणाओं में भर्तियां भी हैं। मंत्री ने कहा, युवाओं को सम्बल प्रदान कर उनके लिए रोजगार के अधिकाधिक अवसरों का सृजन करना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। इस क्रम में, युवाओं को रोजगार को आगामी वर्ष में सरकार के अधीन लगभग 70 हजार पदों पर भर्तियां किये जाने की मैं, घोषणा करती हूं। साथ ही, युवाओं की काउंसलिंग और मार्गदर्शन के माध्यम से निजी क्षेत्र में उनके स्वर्णिम करियर निर्माण के लिए राज्य के समस्त संभाग मुख्यालयों पर युवा साथी केन्द्र स्थापित किये जाने का भी प्रस्ताव है। इस पर 10 करोड़ रुपये खर्च होंगे। वित्त मंत्री ने सभी वंचित वर्गों तक भी शिक्षा की पहुंच को सुलभ करने की दृष्टि से, आगामी वर्ष से अल्प आय वर्ग, लघु/सीमांत/बटाईदार किसानों और

खेतिहर श्रमिकों के परिवार के छात्र-छात्राओं को केजी से पीजी तक निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने की घोषणा की। इसी तरह आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के कक्षा एक से आठवीं तक के समस्त विद्यार्थियों तथा कक्षा नौ से बारहवीं तक की छात्राओं को स्कूल बैग, किताबें तथा यूनिफॉर्म के लिए आगामी वर्ष प्रति विद्यार्थी एक हजार रुपये की सहायता दी जाएगी। इससे लगभग 70 लाख (सत्तर लाख) विद्यार्थी लाभान्वित हो सकेंगे।

उन्होंने जयपुर के निकट 'हाईटेक सिटी' विकसित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा जैसे बड़े शहरों के लिए 500 इलेक्ट्रिक बसें उपलब्ध करवाई जाएंगी। दीया कुमारी ने कहा कि जल जीवन मिशन परियोजना का काम पूरी पारदर्शिता एवं गुणवत्ता के साथ त्वरित गति देते हुए कराने के लिए सभी संभव प्रयास किए जाएंगे। इस क्रम में योजना के अन्तर्गत आगामी वर्ष 25 लाख ग्रामीण परिवारों को नल से जल उपलब्ध कराया जायेगा। इस कार्य पर लगभग 15 हजार करोड़ रुपये का व्यय प्रस्तावित है।

पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना ईआरसीपी के बारे में उन्होंने कहा कि अब केन्द्र सरकार के सहयोग से इस परियोजना को और वृहद रूप देते हुए उपलब्ध पानी की मात्रा बढ़ायी जायेगी तथा पूर्व में अनुमानित परियोजना के लिए आवश्यक राशि 37,250 करोड़ रुपये को बढ़ाकर लगभग 45 हजार करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव है। उन्होंने किसानों को अधिकाधिक सम्बल देने की दृष्टि से राजस्थान एग्रीक्लचर इन्फ्रा मिशन को शुरू कर शुरूआत में दो हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किये जाने की घोषणा की। राज्य में मोटे अनाज उत्पादन को और बढ़ावा देने तथा ग्रामीण परिवारों को अपनी आवश्यकता का अनाज पैदा करने की दृष्टि से आगामी वर्ष 12 लाख किसानों को मक्का, आठ लाख किसानों को बाजरा, सात लाख किसानों को सरसों, चार लाख किसानों को मूंग एवं 1-1 लाख किसानों को ज्वार व मोठ के उच्च गुणवत्ता के बीज उपलब्ध करवाया जाना प्रस्तावित है। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री ने पीएम किसान सम्मान निधि योजना के अन्तर्गत किसानों के लिए देय वित्तीय सहायता को प्रति परिवार छह हजार से बढ़ाकर आठ हजार रुपये वार्षिक करने की घोषणा की है, जिसके लिए एक हजार 400 करोड़ रुपये वार्षिक का प्रावधान प्रस्तावित है।

मुख्यमंत्री पर्यटन कौशल विकास कार्यक्रम शुरू कर आगामी दो साल में 20 हजार युवाओं एवं लोक कलाकारों को गाइड/हास्पिटैलिटी/पारम्परिक कला सम्बन्धी प्रशिक्षण देकर रोजगारपरक बनाया जायेगा। इसके साथ ही, राज्य के 60 से 80 वर्ष तक की आयु के वरिष्ठ नागरिकों को रियायती यात्रा सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से राज्य की सीमा में रोडवेज बसों के किराये में वर्तमान में दी जा रही 30 प्रतिशत छूट को बढ़ाकर 50 प्रतिशत किया जाना भी प्रस्तावित है।

अपने भाषण के दौरान दीया कुमारी ने पूर्व सरकार पर वित्तीय कुप्रबंधन, भ्रष्टाचार, दूरदर्शिता की कमी का आरोप लगाया जिसको लेकर हंगामा हो गया। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित कांग्रेस के अन्य विधायकों ने आपत्ति जताई और हंगामा किया। मुख्यमंत्री भजनलाल ने हस्तक्षेप करते हुए उनसे महिला वित्त मंत्री द्वारा पेश बजट भाषण सुनने का अनुरोध किया। नेता प्रतिपक्ष जूली ने कहा कि महिला मंत्री द्वारा लेखानुदान पेश करने पर कोई आपत्ति नहीं है लेकिन इसमें राजनीतिक आरोप लगाना अनुचित है। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री को अपने बजट में राजनीतिक टिप्पणियां करने के बजाय बजट भाषण पढ़ना चाहिए। बाद में सदन ने राजस्थान विनियोग विधेयक, 2024 तथा राजस्थान विनियोग (लेखानुदान)विधेयक, 2024 को ध्वनिमत से पारित कर दिया। वहीं बजट पेश किए जाने के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जनता जनार्दन की आशाओं और आकांक्षाओं को ध्यान में रखकर हमारी सरकार ने बजट 2024-25 (लेखानुदान) प्रस्तुत किया है।

वित्त मंत्री दीया कुमारी के भाषण के दौरान हंगामा

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में बृहस्पतिवार को लेखानुदान (अंतरिम बजट) पेश किए जाने के दौरान वित्त मंत्री दीया कुमारी की ओर से भ्रष्टाचार व कानून व्यवस्था सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर कटाक्ष किये जाने पर जमकर हंगामा हुआ। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में राज्य जहां वित्तीय रूप से प्रतिकूल स्थिति में पहुंच गया, वहीं दूसरी ओर गलत नीतियों, भ्रष्टाचार, लचर कानून व्यवस्था, कुशासन एवं तुष्टिकरण के कारण प्रदेश के विकास की गति मंद हो गई।

उन्होंने कहा,इन चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना करते हुए हम माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार के सहयोग के साथ-साथ, राज्य सरकार की ठोस कार्ययोजना, सुशासन एवं कठिन परिश्रम से प्रदेश को सतत विकास के मार्ग पर ले जायेंगे।

विपक्षी दल कांग्रेस के सदस्यों ने उनकी टिप्पणी पर आपत्ति जताते हुए हंगामा शुरू कर दिया और 'चुनावी भाषण नहीं चलेगा' के नारे लगाए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उनसे महिला वित्त मंत्री द्वारा पेश लेखानुदान भाषण को सुनने व सदन में मर्यादा बनाए रखने की अपील की।

इस पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि विपक्ष को महिला मंत्री द्वारा लेखानुदान पेश करने पर कोई आपत्ति नहीं है लेकिन अपने संबोधन में मंत्री द्वारा राजनीतिक टीका-टिप्पणी किया जाना अनुचित है। उन्होंने कहा कि मंत्री को सिर्फ लेखानुदान के बारे में लिखा गया भाषण पढ़ना चाहिए। इसके बाद सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से चली। सदन ने लेखानुदान व विनियोग विधेयक पारित करने सहित अनेक विधायी कार्य निपटाए। इसके बाद सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। इससे पहले सदन की कार्यवाही शुरू होने पर पूर्व विधायक सूर्यकुमार के निधन पर शोक प्रकट किया गया।

लेखानुदान में राज्य के लिए कोई 'विजन' नहीं : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य सरकार द्वारा विधानसभा में पेश लेखानुदान में राज्य के लिए कोई दृष्टि नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कटाक्ष करते हुए कहा, ' इस लेखानुदान से राजस्थान की भाजपा सरकार ने मोदी की गारंटी की हवा निकाल दी है।' गहलोत ने एक बयान में कहा कि राजस्थान की वित्त मंत्री द्वारा पेश किए गए लेखानुदान में राज्य के लिए विजन की बजाय पूर्ववर्ती सरकार पर आरोप ही दिखाई दिए हैं। उन्होंने कहा, ' वित्त मंत्री ने कहा कि राजस्थान सरकार पर कर्ज 2 लाख करोड़ रुपए बढ़ गया पर मैं उनकी जानकारी में लाना चाहूंगा कि भारत सरकार पर संप्रग सरकार के समय 2014 तक 55 लाख करोड़ रुपये का कर्ज था जो 2023 तक 106 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 161 लाख करोड़ रुपये हो गया है।'

उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार के सभी वित्तीय संकेतक भारत सरकार से बेहतर रहे हैं। राजस्थान की राज्य जीडीपी 2018 में करीब 9 लाख करोड़ थी जो 2023 में लगभग 15 लाख करोड़ रुपये हो गई एवं राजस्थान आर्थिक विकास दर में उत्तर भारत में नंबर 1 और देश में नंबर 2 तक पहुंचा।

आपणो अग्रणी राजस्थान के सपने को साकार करने वाला है बजट : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जनता जनार्दन की आशाओं और आकांक्षाओं को ध्यान में रखकर हमारी सरकार ने बजट 2024-25 (लेखानुदान) प्रस्तुत किया है। इसमें यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशानुसार महिलाओं, किसानों, छात्रों, व्यापारियों एवं कार्मिकों सहित सभी वर्गों को बड़ी सौगातें दी गई हैं।

उन्होंने कहा कि आपणो अग्रणी राजस्थान के सपने को साकार करने की दिशा में इस बजट में महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए गए हैं।

शर्मा गुरूवार को उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री श्रीमती दिया कुमारी द्वारा प्रस्तुत बजट (लेखानुदान) के संबंध में प्रतिक्रिया दे रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट राज्य सरकार के सुराज संकल्प के सपने को साकार करने वाला और प्रदेश को विकास एवं उन्नति के पथ पर अग्रसर करने वाला साबित होगा। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास एवं सबका कल्याण' को केंद्र में रखते हुए इस बजट में अंतिम छोर पर खड़े प्रत्येक व्यक्ति को भरपूर राहत देने की ठोस पहल की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने संकल्प पत्र को राज्य सरकार के नीतिगत दस्तावेज के रूप में स्वीकार किया है। संकल्प पत्र के वादों को पूरा करने की दिशा में यह लेखानुदान महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यह लेखानुदान सरकार के लिए चुनौती भरा भी रहा क्योंकि पूर्ववर्ती सरकार के फैसलों से प्रदेश पर कर्ज भार बढ़कर दोगुना हो गया है। हमारी सरकार सूझ-बूझ, दूरदर्शिता और कुशल वित्तीय प्रबंधन से प्रदेश की आर्थिक प्रगति की नई इबारत लिखेगी।

जनाकांक्षाओं के विपरीत भ्रामक बजट : पायलट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा विधानसभा में प्रस्तुत लेखानुदान बजट भाषण पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे जनाकांक्षाओं के विपरीत भ्रामक बजट की संज्ञा दी है। पायलट ने कहा कि प्रदेश की जनता पिछले दो महीनों से पेट्रोल-डीजल के वैट की दरों में कमी का इंतजार कर रही है परन्तु लेखानुदान में इसका कहीं उल्लेख नहीं किया जाना प्रदेश की जनता के हितों पर कुठाराघात होने के साथ ही विधानसभा चुनावों में भाजपा द्वारा किये गये महंगाई कम करने के वायदों को झूठा साबित करता है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने बिजली कम्पनियों का कुल घाटा सवा लाख करोड़ से अधिक बता तो दिया लेकिन इसे कम करके जनता को किस प्रकार राहत प्रदान की जायेगी, इसका कोई विजन प्रस्तुत नहीं किया है।

उन्होंने कहा कि अवैध बजरी खनन को रोकने की वाहवाही तो भाजपा सरकार ले रही है परन्तु आम नागरिक को निर्माण के लिए बजरी नहीं मिल रही है और जो थोड़ी-बहुत बजरी मिल रही है वह भी बहुत मंहगें दामों पर मिल रही है। जनता को सरकार से उम्मीद थी कि बजरी नीति पर ठोस कदम उठाये जायेंगे परन्तु इस सम्बन्ध में बजट भाषण में उल्लेख नहीं किया जाना जनता के लिए निराशाजनक है। विगत कांग्रेस सरकार द्वारा प्रारम्भ किये गये पृथक कृषि बजट को समाप्त किया जाना भाजपा सरकार की किसान विरोधी सोच को प्रदर्शित करता है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार का यह बजट भ्रम पैदा करने वाला है। पूरे बजट भाषण में विगत सरकार को कोसने के अतिरिक्त कुछ नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि नई सरकार की जिस प्रकार की साफ सोच होनी चाहिए उसका अभाव आज के बजट भाषण में साफ दिखाई देता है।

'मोदी की गारंटी और जनता के सपनों को साकार करने वाला बजट, प्रदेश मजबूत-सुरक्षित और विकसित बनेगा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने राजस्थान सरकार के अंतरिम बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी और राजस्थान की जनता के सपनों को साकार करने वाला बजट है। इस समावेशी बजट में समाज के हर वर्ग का ध्यान रखा गया है। उन्होंने बजट में दी गई सौगातों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और वित्त मंत्री दीया कुमारी का आभार व्यक्त किया है।

सीपी जोशी ने मेवाड़ एवं प्रदेश के गौरव महाराणा प्रताप की राजतिलक स्थली गोगुंदा सहित उनके सभी स्मृति स्थलों के विकास के लिए 100 करोड़ रुपये की घोषणा करने पर विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए 15 जनवरी 2024 को उप-मुख्यमंत्री एवं पर्यटन व संस्कृति मंत्री दीया कुमारी को इस संबंध में पत्र लिखकर इस विषय से अवगत करवाया था। अंतरिम बजट में स्कूलों, कॉलेजों, अस्पतालों की स्थापना उन्नयन के लिए 1000 करोड़, 70 हजार पदों पर भर्ती निकालने की घोषणा, पांच लाख घरों की छत पर सोलर पैनल लगाने की योजना से इन परिवारों को हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली मिलेगी।

जल जीवन मिशन के तहत अगले वर्ष 25 लाख ग्रामीण परिवारों को नल से जल उपलब्ध करवाने के लिए 15,000 करोड़ की घोषणा, लाडो प्रोत्साहन योजना के तहत पांच लाख परिवारों की आय को एक लाख से ज्यादा बढ़ाने की घोषणा के साथ ही गरीब परिवार में बेटी पैदा होने पर एक लाख रुपये सेविंग बॉन्ड मिलेगा, अल्प आय वर्ग और सीमांत किसानों के बच्चों को फ्री एजुकेशन, पहली से आठवीं के सभी छात्र और कक्षा 9 से 12वीं की छात्राओं को 1000 रुपये देन की घोषणा से 70 लाख स्टूडेंट्स को लाभ मिलेगा। ओलंपिक में हिस्सा लेने की चाहत रखने वाले युवाओं के लिए मिशन ओलंपिक शुरू कर 50 युवाओं को चयन के लिए ट्रेंड करने, राजधानी जयपुर में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस तैयार करने, लड़कियों के लिए 25-25 करोड़ की लागत से स्पोटर्स सेंटर बनाने, किसान क्रेडिट कार्ड की तर्ज पर गोपाल क्रेडिट कार्ड बनाने की घोषणा, जयपुर मैट्रो के विस्तार एवं इलेक्ट्रिक बसों को मंजूरी देने की घोषणा, स्ट्रीट वेंडर्स और मजदूरों के लिए मुख्यमंत्री विश्वकर्मा पेंशन योजना शुरू करने की घोषणा, पुलिस आधुनिकीकरण के लिए 200 करोड़, नवसृजित 34 पुलिस थानों में साइबर हेल्प डेस्क तैयार करने, लाडली सुरक्षा योजना का आगाज कर हर जिले में एंटी रोमियों स्क्रॉयड बनाने और 174 पुलिस थानों में महिला हेल्प डेस्क बनाने जैसी अनेक घोषणाएं मील का पत्थर साबित होगी।

गांव-गरीब, महिला सुरक्षा और युवाओं के कल्याण को समर्पित बजट : दिलावर

जयपुर। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने गुरुवार को राजस्थान विधानसभा में वित्त मंत्री श्रीमती दीया कुमारी द्वारा प्रस्तुत राज्य के वर्ष 2024-25 के लेखानुदान (बजट) को गांव, गरीब, महिला सुरक्षा, किसान और युवाओं के कल्याण को समर्पित बताते हुए कहा है कि इससे प्रदेश में विकास नई दिशा मिलेगी और सभी क्षेत्रों में प्रगति के नए आयाम स्थापित होंगे। इसमें प्रदेश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने और गुणात्मक सुधार के लिए महत्वपूर्ण उपायों की घोषणा भी सकारात्मक पहल है। शिक्षा मंत्री दिलावर ने कहा कि बजट में समाज के सभी वर्गों के हितों का भरपूर ख्याल रखा गया है, विशेषकर अल्प आय वर्ग, लघु-सीमांत एवं बटाईदार किसान तथा खेतिहर मजदूरों के परिवार के छात्र-छात्राओं को केजी से पीजी तक की निःशुल्क शिक्षा तथा प्रदेश के स्कूलों में कक्षा 1 से 8 तक समस्त विद्यार्थियों तथा 9 से 10 तक की छात्राओं को 1000 रुपये देने के लिए 70 लाख रुपये का ऐतिहासिक प्रावधान किया गया है।

बेंगलूरु की रहने वाली दिव्यांग डबल डिग्री कर चुकी नव्याश्री ने अपनी मां राममणि के साथ मुख्यमंत्री के जनस्पंदना कार्यक्रम में गुहार लगाई। मुख्यमंत्री ने उपस्थित अधिकारियों को रोजगार मेले के दौरान इस आवेदन पर विचार करने का निर्देश दिया।

दिव्यांग सत्यनारायण ने मुख्यमंत्री से उनके डायलिसिस के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष से सहायता प्रदान करने की अपील की। उन्होंने आवेदन की समीक्षा करने और उपचार के लिए सहायता प्रदान करने का सुझाव दिया।

तुमकुर के मेडागाशिरा गांव की शांतिबाई ने अपने मानसिक रूप से कमजोर बच्चे के इलाज में मदद के लिए मुख्यमंत्री को आवेदन दिया था। बच्चे की हालत देखकर सदमे में आए मुख्यमंत्री ने मदद की पेशकश की।

नेलमंगला की एक कैंसर रोगी चौड़ेश्वरी को सर्जरी के लिए वित्तीय सहायता की आवश्यकता है और उसने वित्तीय सहायता के लिए अनुरोध प्रस्तुत किया है। मुख्यमंत्री ने प्राप्त याचिका को राहत कोष शाखा के अधिकारियों को सौंप दिया।

मुख्यमंत्री ने सुना कर्नाटक वासियों का दुखड़ा

12 हजार से अधिक लोगों ने दिए आवेदन

बेल्लारी जिले के कंपली तालुक के शरण बसव कुमार दोनों आंखें से देखने में असमर्थ थे और उन्होंने अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने के लिए वित्तीय सहायता मांगी। समस्या सुनने के बाद मुख्यमंत्री ने राहत कोष से सहायता दिलाने का वादा किया। इस समय मुख्यमंत्री के साथ सांदूर विधायक ई. तुकाराम मौजूद थे।

तुमकुर जिले के शिरा तालुक के नागराजैया ने मुख्यमंत्रियों से मुलाकात की और उन्हें 5 किमी की यात्रा करनी पड़ रही है क्योंकि शिरा में सामान्य सड़क कट गई है। इसे ठीक करने का अनुरोध किया। आवेदन मिलने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि वह इस संबंध में कार्रवाई करेंगे।

बेलगावी जिले के सुरेश तुकाराम फोंडे ने शिकायत की कि दीपक पाटिल उनकी जमीन से मिट्टी हटा रहे थे और चोरी का कोई मामला दर्ज नहीं किया गया। मुख्यमंत्री ने पुलिस आयुक्त दयानंद को मौके पर जाकर मामले की जांच करने का निर्देश दिया। दयानंद ने जिला पुलिस अधीक्षक को मौके पर बात कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

विकास सौधा के समक्ष 'जनस्पदंना' में उमड़ा लोगों का जनसैलाब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने लोगों की समस्याओं का समाधान करने के लिए बृहस्पतिवार को राज्य विधानसौधा के सामने शिकायत निवारण कार्यक्रम 'जनस्पंदन' आयोजित कर उनसे सीधे तौर पर संपर्क किया। राज्यस्तरीय दूसरे जनस्पंदना कार्यक्रम में लगभग 12 हजार से अधिक आवेदनों के साथ 20 हजार प्रतिभागियों ने राज्यभर से भाग लिया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित दिव्यांगों और बीमार लोगों की शिकायतों पर मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने अधिकारियों को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि निचले स्तर पर ही समस्या का समाधान होना चाहिए। लोगों को बेंगलूरु आकर आवेदन देने की नौबत नहीं पड़नी चाहिए। मुख्यमंत्री ने बताया कि यह जिम्मेदारी डीसी और सीईओ पर अधिक है उन्हें इस पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को चेताया कि अपने स्तर पर समस्या का समाधान करें। लोगों के साथ दुर्व्यवहार न करें नहीं तो कार्यवाही होगी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सिद्दरामैया ने अधिकारियों को राज्य के विभिन्न हिस्सों से आये लोगों से प्राप्त आवेदनों का तीन महीने के अंदर निपटारा करने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री को विशेष रूप से दिव्यांगों, स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रहे व्यक्तियों, बुर्जुगों और महिलाओं से व्यक्तिगत रूप से मिलते देखा गया। सिद्दरामैया ने उनसे आवेदन प्राप्त किये और यथाशीघ्र उन्हें उपयुक्त जवाब देने का आश्वासन दिया। उन्होंने संबद्ध अधिकारियों को उनकी समस्याओं का यथाशीघ्र निपटारा करने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने इस मौके पर संवाददाताओं से कहा कि असमानता दूर करने से ही समाज में अमन चैन कायम रह सकता है। हम संविधान में विश्वास रखते हैं। समाज में भाईचारा बढ़े, समानता पैदा होनी चाहिए। इसके लिए गरीबों के लिए कार्यक्रम गारंटी योजनाएं चल रही हैं। सरकार द्वारा बनाई गई कल्याणकारी योजनाएं सीधे लाभार्थियों तक पहुंचनी चाहिए। हमारी सरकार ने सत्ता में आने के आठ महीने के भीतर ही सभी गारंटी योजनाएं लागू कर दी हैं और राज्य की जनता इनका लाभ उठा रही है। भाजपा यह गारंटी योजनाएं लागू नहीं कर सकती है। उन्होंने कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था दुरुस्त रहेगी तो पूंजी निवेश संभव है. उन्होंने कहा कि राज्य में सामाजिक-आर्थिक बदलाव लाने के लिए लोगों का समर्थन जरूरी है। विधानसौधा के बाहर बुधवार रात से ही लोग अपनी शिकायतें लेकर पहुंच गए। कई लोगों ने रात्रि खुले आसमान में विधानसौधा के बाहर ही बिताई। अधिकारियों ने बताया कि सुबह से सायं 6 बजे तक कुल 12,372 आवेदनों का पंजीकरण किया गया। गत नवंबर में आयोजित 'जनस्पंदन' में 4,030 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से अब तक 3,738 शिकायतों का निपटारा किया गया है।

युवाओं की सुरक्षा के लिए हुक्का उत्पादों पर प्रतिबंध : दिनेश गुंडूराव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने गुरुवार को कहा कि हुक्का उत्पादों पर तत्काल प्रतिबंध नागरिकों के स्वास्थ्य की सुरक्षा और तंबाकू से संबंधित बीमारियों को रोकने के लिए एक साहसिक कदम है। उन्होंने कहा, इस निर्णायक कार्रवाई को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के वैश्विक वयस्क तंबाकू सर्वेक्षण-2016-17 (जीएटीएस-2) के चौंकाने वाले आंकड़ों का समर्थन प्राप्त है, इसमें कहा गया है कि कर्नाटक में 22.8 प्रतिशत वयस्क तंबाकू का उपयोग करते हैं, इनमें से 8.8 प्रतिशत धूम्रपान करने वाले हैं।

राव ने कहा कि रिपोर्ट से पता चलता है कि 23.9 प्रतिशत वयस्क सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान के संपर्क में आते हैं, जो राज्य में तंबाकू सेवन के खतरे को दर्शाता है। उन्होंने कहा, 2019 के डब्ल्यूएचओ ग्लोबल यूथ टोबैको सर्वे ने तंबाकू उत्पादों के साथ युवाओं की बढ़ती भागीदारी को रेखांकित किया, इसमें 13-15 आयु वर्ग के लगभग पांचवें छात्र किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन करते हैं। इसके अलावा, शोध से पता चला है कि तंबाकू आधारित शीशा और हर्बल शीशा दोनों जहरीले एजेंटों से भरे धुएं का उत्सर्जन करते हैं, इससे कैंसर, हृदय रोग और फेफड़ों की बीमारी का खतरा बढ़ जाता है।

मंत्री ने कहा, तंबाकू का आर्थिक बोझ भी उतना ही चिंताजनक है, कर्नाटक में 35-69 आयु वर्ग के व्यक्तियों में तंबाकू से संबंधित बीमारियों के कारण 2011 में 983 करोड़ रुपये की लागत आई, जो निवारक उपायों की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। राव ने कहा, तंबाकू को नशीली दवाओं के दुरुपयोग के प्रवेश द्वार के रूप में मान्यता देते हुए, राज्य सरकार का प्रतिबंध ओपिओइड के उपयोग में चिंताजनक वृद्धि और तंबाकू के सेवन से उत्पन्न नशीली दवाओं के दुरुपयोग की शुरुआत को भी रोकना है, जैसा कि विश्व ड्रग्स रिपोर्ट 2022 में संकेत दिया गया है।

एक अध्ययन में पता चला है कि हुक्का धूम्रपान में निकोटीन, टार और भारी धातुओं सहित कई समान हानिकारक पदार्थ होते हैं। उन्होंने कहा कि हुक्का पीने वालों को विभिन्न प्रकार के कैंसर और हृदय रोग सहित कई गंभीर बीमारियों का खतरा होता है। यह प्रतिबंध कर्नाटक में कई हुक्का बारों के अवैध संचालन को रोकता है, विशेष रूप से शैक्षणिक संस्थानों के करीब। मंत्री राव ने बताया कि यह कदम सीओटीपीए 2003 और किशोर न्याय अधिनियम, 2015 समेत अन्य कानूनी प्रावधानों द्वारा समर्थित है, जिनका हुक्का बार उल्लंघन करते पाए गए हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, हम अपने लोगों के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और स्वास्थ्य संबंधी खतरों को खत्म करने की राज्य की जिम्मेदारी की पुष्टि करते हैं। होटल, रेस्तरां, पब, बार, लाउंज, कैफे, क्लब और अन्य प्रतिष्ठानों में हुक्का के उपयोग, बिक्री और सेवा पर प्रतिबंध को युवाओं को मादक द्रव्यों के सेवन और तंबाकू के हानिकारक प्रभावों से बचाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जाता है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक सरकार ने यह कार्रवाई इस विश्वास के साथ की है कि इसे उन सभी जिम्मेदार नागरिकों का समर्थन मिलेगा जो लोगों के स्वास्थ्य और कल्याण को सर्वोपरि चिंता का विषय मानते हैं।

बलात्कार के आरोपी वरुण ने एफआईएच प्रो लीग से नाम वापस लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पॉक्सो कानून के तहत बलात्कार के आरोपी और अर्जुन पुरस्कार विजेता भारतीय हॉकी खिलाड़ी वरुण कुमार ने इसे 'पैसे ऐंठने का सुनियोजित प्रयास' करार देते हुए अपने पर लगाए गए आरोपों के खिलाफ कानूनी विकल्प तलाशने के लिए भुवनेश्वर में एफआईएच प्रो लीग से नाम वापस ले लिया है। हॉकी इंडिया ने इस 28 वर्षीय खिलाड़ी को तत्काल अवकाश दे दिया है क्योंकि इस खिलाड़ी ने कहा था कि इस घटना से उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ रहा है। एक महिला ने आरोप लगाया है कि जब वह नाबालिग थी तब वरुण ने कई बार उनका यौन उत्पीड़न किया, इसके बाद बेंगलूरु पुलिस ने इस हॉकी खिलाड़ी के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

बाईस वर्षीया महिला ने सोमवार को दायर अपनी शिकायत में कहा है कि वह 2018 में इंस्टाग्राम के जरिए वरुण के संपर्क में आई और जब वह 17 साल की थी तब इस खिलाड़ी ने शादी का झांसा देकर उनके साथ कई बार बलात्कार किया। वरुण ने हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की को लिखे पत्र में दावा किया है कि उनके खिलाफ दर्ज की गई शिकायत झूठी है और यह राज्य के सरकारी तंत्र का दुरुपयोग है। इस पत्र की एक प्रति पीटीआई के पास भी है।

वरुण ने अपने पत्र में लिखा है, ''मुझे मीडिया रिपोर्ट से पता चला है कि जिस लड़की के साथ पूर्व में मैं रिश्ते में था उसने मेरे खिलाफ झूठा मामला दर्ज किया है और इस मामले में बेंगलूरु में प्राथमिकी दर्ज की गई है हालांकि इस संबंध में किसी पुलिस अधिकारी ने मुझसे संपर्क नहीं किया।''

उन्होंने कहा, ''यह मामला कुछ और नहीं बल्कि मुझसे पैसे ऐंठने और मेरी प्रतिष्ठा और छवि को धूमिल करने का एक सोचा समझा प्रयास है क्योंकि मैं प्रतिष्ठित हॉकी खिलाड़ी हूं तथा भारत के लिए खेलता हूं और अर्जुन पुरस्कार विजेता हूं। वह जानती है कि इस तरह के मामले से मेरा करियर और छवि धूमिल हो सकती है।''

प्रो लीग मैचों के लिए भुवनेश्वर में भारतीय टीम के साथ मौजूद वरुण ने कहा कि वह इन आरोपों के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। वरुण ने पत्र में लिखा है, ''अपने कानूनी अधिकारों का उपयोग करने के लिए मुझे अकादमी से तुरंत अवकाश की जरूरत है और इस कारण दुर्भाग्य से मैं प्रो लीग में भाग नहीं ले पाऊंगा।'' उन्होंने कहा, ''इस घटना का मेरे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ रहा है तथा यह मेरे और मेरे परिवार के लिए मुश्किल समय है। एक खिलाड़ी के रूप में मैंने आखिर तक हार नहीं मानने का सबक सीखा है और इसलिए इस मुश्किल दौर में मैं आपसे समर्थन का अनुरोध करता हूं।''

टिर्की के अलावा यह पत्र पुरुष टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन और हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह को भी भेजा गया है। इस महिला ने प्राथमिकी में आरोप लगाया है कि 2018 में इंस्टाग्राम के जरिए संपर्क के आने के बाद वरुण ने उनसे मुलाकात करने को कहा तथा कुछ मित्रों के कहने पर वह इसके लिए तैयार हो गई। उसके बाद वह दोस्त बन गए और उनके बीच रिश्ता बन गया। महिला के अनुसार जुलाई 2019 में वह उसे बेंगलूरु के जयनगर स्थित एक होटल में ले गया तथा उसके नाबालिग होने और विरोध करने के बावजूद उसने उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। हॉकी इंडिया के सूत्रों के अनुसार पीड़िता भारतीय खेल प्राधिकरण के बेंगलूरु केंद्र स्थित राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में वॉलीबॉल खिलाड़ी थी।

KARNATAKA GOVERNMENT SECRETARIAT
Vidhana Soudha, Bengaluru

No.DPAR 20 SAT 2021 | **Dated: 08.02.2024**

ADVERTISEMENT

Sub: Recruitment to the post of Judicial Member in the Karnataka State Administrative Tribunal.

The State Government is initiating action to fill one post of Judicial Member of the Karnataka State Administrative Tribunal which is vacant from 09.09.2021.

2. The eligibility criteria for appointment as Judicial Member as stipulated in sub rule 5(b) of Rule 3 of The Tribunal (Conditions of Service) Rules, 2021 is as follows:-
Sub Rule 5(b): A person shall not be qualified for appointment as Judicial Member, unless he,-
   i. is, or has been, a judge of a High Court; or
   ii. has held the post of Additional Secretary to the Government of India or any equivalent or higher post in the Department of Legal Affairs or the Legislative Department including Member-Secretary, Law Commission of India; or
   iii. has, for a combined period of ten years, been a District Judge and Additional District Judge; or
   iv. has, for ten years, been an advocate with substantial experience in litigation in service matters in Central Administrative Tribunal, Armed Forces Tribunal, High Court or Supreme Court.
3. As per Section 3(1) of The Tribunals Reforms Act, 2021 a person who has not completed the age of fifty years shall not be eligible for appointment as a Member of a Tribunal.
4. As per Rule 10 of The Tribunal (Conditions of Service) Rules, 2021 a Member shall be paid a salary of Rs. Two lakh twenty-five thousand per month and as per Rule 11 of the said rules a member shall be entitled to draw allowances and benefits as are admissible to a Government of India officer holding Group 'A' post carrying the same pay.
5. Member shall be entitled to draw allowances as per the said rules; and other terms and conditions of service shall be governed by the provisions of the Tribunals Reforms Act, 2021 and The Tribunal (Conditions of Service) Rules, 2021.
6. As per Section 5(ii) of The Tribunal Reforms Act, 2021 a Member shall hold office for a term of four years or till he attains the age of sixty seven years, whichever is earlier.
7. The Vacancy Circular and PROFORMA of Application and Declaration to be given by the applicant may be downloaded from DPAR Official Website **https://dpar.karnataka.gov.in** The Applications (in two Sets) duly filled along with necessary documents (in five sets) shall be submitted to Secretary to Government, Department of Personnel and Administrative Reforms, Room No.246, 2nd Floor, Vidhana Soudha, Bengaluru-560001.
8. The Applications shall be submitted through proper channel (wherever applicable).
9. **Last date for submission of Applications shall be 09.03.2024**
   The Administrative Tribunals Act, 1985, The Tribunals Reforms Act, 2021 and The Tribunal (Conditions of Service) Rules, 2021 are also available in the website.
10. With respect to this recruitment the applicants who have already applied in response to advertisement dated 06.12.2022 may apply afresh.

NB:- Before applying it is requested to read thoroughly the Acts and Rules referred above and specific instructions given therein to the applicants.

Sd/-
Member-Secretary

DIPR/CP/3478/SPAN/2023-24

नर्सिंग छात्रों का दीप प्रज्ज्वलन समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कॉलेज ऑफ नर्सिंग, कमांड हॉस्पिटल एयर फोर्स बेंगलूरु (सीएचएएफबी) के बीएससी नर्सिंग प्रथम सेमेस्टर के छात्रों का दीप प्रज्ज्वलन समारोह गुरुवार को आयोजित किया गया था। यह समारोह नए नर्सिंग छात्रों को नर्सिंग पेशे में शामिल करने और मानवता की सेवा करने की उनकी प्रतिज्ञा का प्रतीक है। समारोह में 39 नवोदित नर्सिंग कैडेटों ने वर्दी पहनी और अपनी पेशेवर यात्रा शुरू करने के लिए नर्स की प्रतिज्ञा ली।

एयर वाइस मार्शल एस शंकर, कमांडेंट सीएचएएफबी इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। कैडेटों को संबोधित करते हुए, उन्होंने स्वास्थ्य देखभाल में नवीनतम प्रगति से अवगत रहने की आवश्यकता पर जोर दिया और साथ ही रोगी देखभाल प्रदान करने में सॉफ्ट कौशल और पेशेवर कौशल पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। समारोह में, लौ को प्रसारित करना ज्ञान और बुद्धि को विद्वान से सीखने वाले तक स्थानांतरित करने का प्रतीक है।

ब्रिगेडियर ग्रेसी एम पॉल, प्रिंसिपल मैट्रॉन ने प्रकाश कर्नल जेसी मैथ्यू, प्रिंसिपल कॉलेज ऑफ नर्सिंग को दिया, जिन्होंने इसे शिक्षकों को सौंप दिया। इसके बाद शिक्षकों ने पहले सेमेस्टर के नर्सिंग कैडेटों को ज्ञान और ज्ञान के एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में संक्रमण को दर्शाते हुए प्रकाश हस्तांतरित किया।

देवेगौड़ा ने खरगे से राज्यसभा में पूछा

क्या कांग्रेस आपका प्रधानमंत्री बनना बर्दाश्त करेगी ?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा ने कांग्रेस की आलाकमान संस्कृति पर कटाक्ष करते हुए बृहस्पतिवार को पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से पूछा कि क्या कांग्रेस उनको देश का प्रधानमंत्री बनाया जाना बर्दाश्त करेगी ? राज्यसभा में सेवानिवृत्त हो रहे सदस्यों के विदाई समारोह में भाग लेते हुए, जद (एस) नेता देवेगौड़ा ने खरगे की इस टिप्पणी पर आपत्ति जताई कि उन्होंने आखिरी दौर में अपना राजनीतिक रास्ता बदल लिया।

देवेगौड़ा ने कहा कि भाजपा को उनका समर्थन अपनी पार्टी जद(एस) को कुछ ''कांग्रेसियों'' से बचाने के लिए था जो इसे नष्ट करना चाहते थे। खरगे की ईमानदारी और अपने राजनीतिक करियर के दौरान उनसे मिले समर्थन की सराहना करते हुए, पूर्व प्रधानमंत्री ने 2019 में कांग्रेस-जद (एस) सरकार के पतन के लिए कुछ कांग्रेस नेताओं को दोषी ठहराया। कांग्रेस-जद (एस) सरकार का नेतृत्व देवेगौड़ा के बेटे एचडी कुमारस्वामी ने किया था। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने अपने पुत्र को नहीं बल्कि खरगे को कर्नाटक का मुख्यमंत्री बनाने का सुझाव दिया था लेकिन कांग्रेस आलाकमान ने इस बात पर जोर दिया कि कुमारस्वामी को मुख्यमंत्री बनना चाहिए। उन्होंने कहा, ''...13 महीने के भीतर, उन्हें (कुमारस्वामी को) किसने हटाया? खरगे ने नहीं बल्कि कांग्रेस नेताओं ने उन्हें हटाया।''

देवेगौड़ा ने आगे कहा, श्रीमान खरगे, क्या आप इस देश के प्रधानमंत्री बनना चाहते हैं? क्या कांग्रेस इसे बर्दाश्त करेगी? कृपया मुझे बताएं, मैं कांग्रेस को जानता हूं।'' खरगे को लगभग 35-40 वर्ष तक काम करने और एक साफ-सुथरी छवि वाला व्यक्ति बताते हुए देवेगौड़ा ने कहा, ''...लेकिन क्या हुआ जब किसी ने प्रधानमंत्री बनने या नेता बनने के लिए आपका नाम सुझाया? इसका उनके अपने ही दोस्तों ने विरोध किया ।'' देवेगौड़ा ने कहा कि वह अपने जीवन में कोई निजी लाभ पाने के लिए एक पार्टी से दूसरी पार्टी में कभी नहीं गए। उन्होंने कहा, ''मैं अपनी ही पार्टी को बचाना चाहता हूं जब कुछ कांग्रेसी मेरी पार्टी को नष्ट करना चाहते हैं। इसीलिए मैंने भाजपा को समर्थन देने का फैसला लिया है।

उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्यार और स्नेह ही एकमात्र ऐसी चीज है जो मुझे बतौर लाभ वर्तमान प्रधानमंत्री से मिला है।'' देवेगौड़ा ने कहा, ''जब मेरे बेटे को कांग्रेस ने (मुख्यमंत्री पद से) हटा दिया था, उसी दिन मैंने अपने बेटे से कहा था कि भाजपा के साथ चले जाओ। उस दिन मैंने कहा था कि कांग्रेस आपको आगे बढ़ने नहीं दे सकती।

सुविचार

शिक्षा का अर्थ है उस पूर्णता को व्यक्त करना जो सब मनुष्यों में पहले से विद्यमान है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

इस 'अमृत' का संग्रह करें

देश के भूजल स्तर में वृद्धि होना राहत की ख़बर है। निश्चित रूप से यह सरकार की ओर से लोगों को वर्षाजल द्वारा पुनर्भरण (रिचार्ज) के प्रयासों को प्रोत्साहित करने का परिणाम है। पिछले कुछ दशकों में भूजल का अतिदोहन किया गया है। देश के कई इलाकों में तो अप्रैल-मई आते-आते कुएं सूख जाते हैं। उसके बाद पानी को लेकर दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। पानी प्रकृति का ऐसा अनमोल उपहार है, जिसका विवेकपूर्ण तरीके से किया गया उपयोग बहुत खुशहाली ला सकता है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण इज़राइल है, जो बंजर, रेतीली, पथरीली और शुष्क ज़मीन पर होने के बावजूद खाद्यान्न और फल-सब्जियों से मालामाल है। उसने पानी की एक-एक बूंद का बहुत सावधानी से उपयोग किया है। इसके साथ ही समुद्र के खारे पानी को मीठे पानी में बदलने के संयंत्र लगाकर दुनिया को हैरान कर दिया है। हमें इज़राइल के अनुभवों से लाभ लेना चाहिए। उसने जिस प्रकार विज्ञान और तकनीक का अधिकाधिक उपयोग करते हुए जल-संरक्षण को बढ़ावा दिया, वह बेमिसाल है। भारत में कई बड़ी नदियां, झीलें और तालाब हैं। विशाल समुद्र तट है। मानसून में अच्छी बारिश भी होती है। इसके बावजूद हर साल कई इलाकों में जल-संकट आ जाता है। क्या हम इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं कर सकते?

निस्संदेह कर सकते हैं। जिस तरह हर घर तक शौचालय जैसी सुविधा पहुंचाई गई, उसी तरह वर्षाजल के पुनर्भरण की सुविधा पहुंचाई जाए। हर साल मानसून आने से पहले छतों की सफाई को एक राष्ट्रीय उत्सव का रूप देते हुए हर घर में ऐसी प्रणाली स्थापित की जाए, ताकि जब बादल बरसें तो पानी के लिए जमीन में जाने का रास्ता आसान हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विभिन्न मंचों पर अपने संबोधन से डिजिटल पेमेंट को एक बड़ा अभियान बना दिया है। आज 'वोकल फॉर लोकल' राष्ट्रप्रेम का प्रतीक बन गया है। सौर ऊर्जा के लिए छतों पर सोलर पैनल लगवाने के आह्वान को शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है। अगर इसी तरह वर्षाजल संग्रह और पुनर्भरण का आह्वान किया जाए तो उसके परिणाम भी बहुत बेहतर होंगे। प्रायः महानगरों और शहरों में बारिश के बाद वर्षाजल या तो नालियों में बह जाता है या रास्तों पर गड्ढों में भर जाता है। इससे लोगों को आवागमन में दिक्कतें होती हैं। कई बार तो दुर्घटनाएं हो जाती हैं। प्रकृति द्वारा बरसाए गए इस 'अमृत' का सदुपयोग करना चाहिए। अगर हर मोहल्ले में वर्षाजल के पुनर्भरण के लिए व्यवस्था की जाए और हर घर की छत को पाइपों के जरिए उससे जोड़ दिया जाए तो कुछ ही वर्षों में भूजल स्तर में भारी वृद्धि हो सकती है। वहीं, नालियों, सड़कों पर पानी भरने जैसी दिक्कतों से भी निजात मिलेगी। नई इमारतों का निर्माण, चाहे वे आवासीय हों या व्यावसायिक, वहां ऐसी प्रणाली अनिवार्य होनी चाहिए। वर्षाजल की एक-एक बूंद सहेजने पर जोर देना होगा। जब प्रकृति इतनी उदारता से 'अमृत' बरसा रही है तो उसका संग्रह क्यों नहीं करना चाहिए? हमने अब तक इस ओर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया। अगर वर्षाजल के संग्रह का काम दशकों पहले शुरू किया गया होता तो भूजल स्तर में गिरावट की नौबत ही नहीं आती। अब इसे दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ करना होगा। इसके जो परिणाम आएंगे, उनसे अन्य देश भी लाभान्वित होंगे।

> **अगर हर मोहल्ले में वर्षाजल के पुनर्भरण के लिए व्यवस्था की जाए और हर घर की छत को पाइपों के जरिए उससे जोड़ दिया जाए तो कुछ ही वर्षों में भूजल स्तर में भारी वृद्धि हो सकती है। वहीं, नालियों, सड़कों पर पानी भरने जैसी दिक्कतों से भी निजात मिलेगी। अगर हर मोहल्ले में वर्षाजल के पुनर्भरण के लिए व्यवस्था की जाए और हर घर की छत को पाइपों के जरिए उससे जोड़ दिया जाए तो कुछ ही वर्षों में भूजल स्तर में भारी वृद्धि हो सकती है।**

ट्वीटर टॉक

ाहिरा तौर पर हमारी शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की गुंजाइश है।

~~हालिया दिशानिर्देशों को लेकर अभिभावकों में चर्चा है।~~ निःसंदेह, मानसिक परिपक्वता छात्र द्वारा सही निर्णय लेने में सहायक सिद्ध होगी किंतु तथ्य यह भी है कि प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने की तैयारी 16 **वजनलाल शर्मा**

नरेन्द्र मोदी की जाति पर सवाल उठाकर तेली समाज को एक बार फिर राहुल गांधी ने अपमानित किया है। पहले भी राहुल गांधी ने 'सारे मोदी चोर' कहकर तेली समाज का अपमान कर चुके हैं। अब राहुल गांधी प्रधानमंत्री को ओबीसी ना मानकर पूरे पिछड़ा वर्ग से बाहर करने का षड्यंत्र रच रहे हैं।

-राज्यवर्धनसिंह राठौड़

राजस्थान सरकार द्वारा आज पेश किए गए लेखानुदान में प्रदेश की जनता को निराशा ही हाथ लगी है। किसानों के सशक्त एवं सुनहरे भविष्य के लिए पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा अन्नदाताओं के लिए एक अलग बजट पेश किया गया था, जिसे भाजपा सरकार द्वारा खत्म कर दिया गया है।

-सचिन पायलट

प्रेरक प्रसंग

संकल्प-समर्पण से अध्यात्म

यशोधर्म एक प्रसिद्ध संत थे। अनेक शिष्य उनसे ज्ञान प्राप्त करने के लिए आतुर रहते थे। एक दिन जब वे अपने शिष्यों को पढ़ा रहे थे तो एक शिष्य बोला, 'गुरुदेव! अध्यात्म मार्ग में गति पाने के लिए व्यक्ति को क्या करना चाहिए?' शिष्य का प्रश्न सुनकर संत यशोधर्म बोले, 'वत्स! जैसे पक्षी को उड़ान भरने के लिए दो पंखों की आवश्यकता होती है, उसी तरह अध्यात्म का मार्ग पाने के लिए भी व्यक्ति को संकल्प एवं समर्पणरूपी दो पंखों की आवश्यकता होती है। इनके अभाव में कोई भी व्यक्ति अध्यात्म की राह नहीं पा सकता।' यह सुनकर शिष्य बोला, 'गुरुवर! क्या अकेले संकल्प या समर्पण से अध्यात्म लाभ नहीं हो सकता?' संत यशोधर्म ने उत्तर दिया, 'वत्स! जिस तरह नौका से नदी पार जाना हो तो दोनों पतवारों से नाव चलानी पड़ती है, उसी तरह अध्यात्म मार्ग के लिए भी संकल्प व समर्पण, दोनों का होना आवश्यक है।' शिष्य अपने गुरु की बात का मर्म समझ गया।

सामयिक

यूपी को कांग्रेस और 'गांधी' मुक्त करने की तैयारी

संजय सक्सेना
मोबाइल : 9454105568

भारतीय जनता पार्टी देश को कांग्रेस मुक्त भले नहीं कर पाई हो लेकिन उत्तर प्रदेश को गांधी मुक्त बनाने की और उसके कदम तेजी से बढ़ रहे हैं। बीजेपी नेताओं को लगता है कि ऐसा मोदी-योगी के कुशल नेतृत्व में होने जा रहा है। ऐसा कैसे होगा? यह समझना मुश्किल नहीं है.एक तरफ इस बात की प्रबल संभावना है कि बीजेपी के लिये लगातार मुसीबत साबित हो रहे राहुल गांधी के चचेरे भाई और पीलीभीत के सांसद वरुण गांधी का टिकट कट सकता है, वहीं उनकी माता मेनका गांधी को उम्र दराज होने के कारण लोकसभा से साइड लाइन करने की तैयारी की जा रही है। मेनका गांधी और वरुण गांधी अब बीजेपी के लिये अनुपयोगी हो गये हैं, बीजेपी इन दोनों नेताओं को यह सोच कर पार्टी में लाई थी कि वरुण गांधी के जरिये वह सोनिया और राहुल गांधी को सियासी आईना दिखायेगें, लेकिन ऐसा तो हुआ नहीं उलटे वरुण गांधी बीजेपी और प्रधानमंत्री मोदी के लिए ही सिरदर्द बन गये। पूरे कार्यकाल के दौरान वरुण गांधी केन्द्र की मोदी सरकार के कामकाज की आलोचना में लगे रहे, जबकि राहुल गांधी के खिलाफ मुंह तक नहीं खोला। इसी के चलते वरुण का टिकट कटना तय है। यदि ऐसा हुआ तो बीजपी गांधी मुक्त हो जायेगी।

बात प्रदेश को गांधी मुक्त करने की कि जाये तो आज की तारीख में यूपी में कांग्रेस सिर्फ रायबरेली में दिखाई दे रही है। बाकी जगह वह सिमट चुकी है। राहुल गांधी को तो 2019 में ही बीजेपी ने अमेठी से हार का स्वाद चखाकर, ना केवल अमेठी बल्कि प्रदेश से बाहर कर दिया है। अब बीजेपी की मंशा रायबरेली को सोनिया मुक्त करने की है। इसके लिए पिछले पांच सालों में बीजेपी ने सोनिया गांधी के संसदीय क्षेत्र रायबरेली में काफी मेहनत की है। बीजेपी को जिसका फल आगामी लोकसभा चुनाव में मिलता दिख रहा है। रायबरेली में सोनिया गांधी की स्थिति अब उतनी मजबूत नहीं रह गई है जितनी पहले हुआ करती थी। यहां से प्रियंका वाड्रा के भी चुनाव लड़ने की चर्चा चल रही है। बीजेपी दोनों ही दशा में गांधी परिवार से मुकाबला करने के लिए कमर कसे हुए है। बीजेपी रायबरेली में कांग्रेस की उन दोनों संभावनाओं को खत्म कर देना चाहती है जिसके अनुसार रायबरेली में सोनिया गांधी की जगह प्रियंका वाड्रा को चुनाव लड़ाये जाने की चर्चा राजनीति के गलियारों में चल रही है। बीजेपी सोनिया गांधी या प्रियंका वाड्रा दोनों को ही अब यहां पर पैर जमाये रखने का मौका नहीं देना चाहती है।

दरअसल, प्रियंका वाड्रा ने 2022 के विधानसभा चुनाव के बाद उत्तर प्रदेश से भले ही अपने को समेट लिया हो लेकिन रायबरेली में उनकी राजनीतिक गतिविधियां जारी हैं। इसीलिए राजनीति के जानकार प्रियंका वाड्रा के रायबरेली से चुनाव लड़ने की संभावनाओं से इंकार नहीं करते हैं। यदि सोनिया गांधी राजनीतिक दबाव के चलते रायबरेली से चुनाव लड़ती है तो प्रियंका वाड्रा के लिए अमेठी दूसरी सबसे सुरक्षित सीट रह सकती है, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि यहां से राहुल गांधी के चुनाव हारने के बाद मौजूदा सांसद स्मृति ईरानी ने काफी मेहनत की है। इसलिए हाल फिलहाल राहुल गांधी की तो दाल अमेठी में नहीं गलती दिखाई दे रही है वहीं प्रियंका वाड्रा को भी यहां से चुनाव लड़ने के लिए सौ बार सोचना होगा। अमेठी की सांसद और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि 48 सालों तक उत्तर प्रदेश की अमेठी विकास से वंचित रही, जबकि लोकसभा में इसका प्रतिनिधित्व गांधी परिवार के लोग करते रहे थे। स्मृति ईरानी ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सत्ता में आने के बाद ही इस संसदीय क्षेत्र का विकास होना शुरू हुआ। ईरानी ने कहा कि राजमोहन गांधी ने गांधी परिवार के खिलाफ चुनाव लड़ा था और उन्हें गांधी परिवार के खिलाफ लड़ने के लिए नकली गांधी बुलाया गया था। मेनका गांधी और शरद यादव को भी अपमानित किया गया था। शरद यादव से कहा गया कि वह जाकर गाय चराएं। कुल मिलाकर लोकसभा चुनाव में यदि अमेठी के बाद रायबरेली में भी गांधी परिवार का उम्मीदवार हार जाता है तो यूपी पूरी तरह से गांधी परिवार मुक्त हो जाएगा.सोनिया की हार की संभावनाओं से इसलिए इनकार नहीं किया जाता क्योंकि पिछले 5 सालों से वह रायबरेली से पूरी तरह से कटी हुई हैं, जबकि भाजपा ने यहां काफी मेहनत की है।

बात अमेठी और रायबरेली से आगे की कि जाये तो बीजेपी का बससे अधिक फोकस यूपी पर ही है। मिशन 80 को पूरा करने के लिए बीजेपी लगातार प्लान बना रही है। माना जा रहा है कि बीजेपी करीब डेढ़ दर्जन सांसदों के टिकट काट सकती है वहीं जातीय समीकरणों को देखते हुए कई नए चेहरों पर भी मंथन किया जा रहा है। इसी के साथ यूपी की हारी सीटों को लेकर भी बीजेपी ने अहम रणनीति बनाई है। यूपी में जिन सीटों पर नए चेहरों को लेकर चर्चा हैं उनमें पहला नाम सहारनपुर का जहां से बीजेपी के राघव लखनपाल की जगह नए चेहरे को मौका दिया जा सकता है. इसके साथ ही बिजनौर सीट पर कुंवर भारतेंद्र सिंह की जगह नया जाट चेहरा आगे किया जा सकता है, नगीना सीट से यशवंत सिंह की टिकट पर सस्पेंस, मुरादाबाद से कुंवर सर्वेश कुमार की जगह नया चेहरा संभव है, संभल सीट से परमेश्वर लाल सैनी की टिकट पर, अमरोहा से कंवर सिंह तंवर की टिकट पर संशय है। इसी तरह से मैनपुरी से प्रेम सिंह शाक्य की जगह नया उम्मीदवार उतारा जा सकता है। वहीं रायबरेली से दिनेश प्रताप सिंह और अंबेडकर नगर से मुकुट बिहारी वर्मा, श्रावस्ती से दद्दन मिश्रा, लालगंज से नीलम सोनकर, घोसी से हरिनारायण राजभर का टिकट कट सकता है.उधर गाजीपुर से 2019 में बीजेपी की तरफ से लोकसभा प्रत्याशी रहे मनोज सिन्हा की जगह सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी को सीट दी जा सकती है. जौनपुर से कृष्ण प्रताप सिंह की जगह निषाद पार्टी के प्रत्याशी को यहां से लड़ाया जा सकता है। यह वह बीजेपी नेता हैं जो 2019 में लोकसभा चुनाव जीत नहीं सके थे। लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की राजनीति की सबसे बड़ी अहमियत होती है, क्योंकि यूपी में बाकी राज्यों के मुकाबले सबसे अधिक 80 सीटें हैं।

नजरिया

राजस्थान का अंतरिम बजट, अच्छा आगाज

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 9414441218

राजस्थान की भाजपा सरकार ने गुरुवार को विधान सभा में राजस्थान का वर्ष 2024-2025 का अंतरिम बजट यानि लेखानुदान प्रस्तुत करते हुए पिछली कांग्रेस सरकार की अदूरदर्शी नीतियों, कुशासन और भ्रष्टाचरण पर करारा हमला करते हुए लोगों को विश्वास दिलाया कि भाजपा सरकार जनविश्वास पर खरा उतरते हुए सब के सहयोग से खुशहाल राजस्थान बनाने का हर संभव प्रयास करेगी। अंतरिम बजट वित्त मंत्री दीया कुमारी ने प्रस्तुत किया। बजट में मोदी की गारंटियों की झलक भी देखने को मिली। बजट में समाज के सभी वर्गों के कल्याण की घोषणा करते हुए कहा गया है कि हमारी सरकार का यह दृढ़ विश्वास है कि समाज के हर तबके खासतौर पर निर्धन, असहाय और पिछड़े वर्ग को सशक्त बनाकर ही हम अपने प्रदेश को गरीबी और बेरोजगारी के अभिशाप से मुक्त कर सकते है। वित्त मंत्री ने अपनी सरकार का चार माह का लेखानुदान पेश करते हुए आम आदमी के कल्याण की विभिन्न घोषणाओं का पिटारा खोलते हुए अपनी सरकार का मंतव्य भी स्पष्ट कर दिया। हालाँकि आशा के विपरीत बजट में पेट्रोल डीजल पर वेट कम कर आमजन को राहत नहीं दी गई।

वित्त मंत्री ने कहा सरकार हर तबके का ध्यान रखेगी। कांग्रेस के 5 साल के कुशासन ने प्रदेश को विकास की पटरी से उतार दिया। गत सरकार के समय कर्ज बेहताशा बढ़ा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के समय कर्ज 1.29 लाख करोड़ था जो कांग्रेस की पिछली सरकार की गलत नीतियों के फलस्वरूप कर्ज दोगुना होकर 5 लाख करोड़ से ज्यादा हो गया है। यह उल्लेखनीय है लेखानुदान के तहत करीब 4 महीने के लिए यह लेखानुदान लिया जाएगा। राजस्थान में जब भी नई सरकार बनती है तो लेखानुदान पारित कराया जाता है. क्योंकि राजस्थान में हमेशा सरकार का गठन दिसम्बर माह तक हो जाता है। लेखानुदान के तहत सरकार कोई नीतिगत फैसला नहीं लेती है। इस दौरान सिर्फ वेतन, पेंशन, जिला प्रशासन, न्याय प्रशासन, निर्वाचन व कंटिनजेंसी पर पैसा खर्च करने के लिए विधानसभा से मंजूरी ली जाती है। लोकसभा चुनावों के बाद सरकार जून या जुलाई में पूरा बजट ला सकती है।

बजट में युवाओं के लिए 70 हजार नई भर्तियों की घोषणा की गई है। वहीं, बुजुर्ग और महिलाओं की पेंशन में 150 रुपए की वृद्धि की गई है। वरिष्ठ नागरिकों को रोडवेज किराए में 50 प्रतिशत छूट दी जाएगी। किसानों के लिए गोपाल क्रेडिट कार्ड स्कीम भी शुरू होगी और 5 लाख गोपालकों को कर्ज दिया जाएगा। बजट में जयपुर में मेट्रो के विस्तार की मंजूरी दी गई है। वहीं, राजस्थान के 5 लाख घरों में सोलर प्लांट भी लगाए जाएंगे। वित्त मंत्री ने कहा कि प्रदेश में सड़कों के विकास के लिए 1500 करोड़ रुपए का प्रावधान भी किया जा रहा है। किसानों को गेहूं पर 125 रुपए प्रति क्विंटल बोनस का एलान किया गया। इस पर 250 करोड़ रुपए का व्यय होगा। बजट में स्कूल भवनों की मरम्मत और टॉयलेट निर्माण के लिए 250 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

आर्थिक रूप से कमजोर छात्र-छात्राओं को कक्षा 1 से 8वीं तक के समस्त छात्रों और कक्षा 9 से 12वीं तक छात्राओं को एक हजार रुपए प्रति वर्ष दिए जाएंगे। 70 लाख छात्र- छात्राओं को इसका लाभ मिलेगा। गरीब परिवारों में बालिका के जन्म पर एक लाख रुपए का बॉन्ड दिया जाएगा। इसके लिए लाडो योजना शुरू की जाएगी। चीनी और गुड़ पर मंडी टैक्स खत्म होगा। वहीं, लैंड टैक्स खत्म करने की भी घोषणा की गई है। बजट में जयपुर में मेट्रो के विस्तार की मंजूरी दी गई है। वहीं, राजस्थान के 5 लाख घरों में सोलर प्लांट भी लगाए जाएंगे।

जयपुर शहर 40 लाख आबादी से जूझ रहा है, इसे ध्यान में रखते हुए राजधानी जयपुर के निकट हाईटेक सिटी विकसित करने की घोषणा करती हूं. इस हाईटेक टाउनशिप में आईटी, फिनटेक, फाइनेंसिशल मैनेजमेंट, ख-खचछ समेत कई संस्थानों और कंपनियों को स्थापित करने हेतू स्पेशन इन्सेन्टिव दिए जाएंगे. साथ ही यहां वर्ल्ड क्लास सिटी के अनुरूप समस्त सुविधाएं भी उपलब्ध हो सकेंगी। इसके साथ ही चिरंजीवी योजना का नाम अब मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना किया गया है।

मुद्दा

कोचिंग सेंटरों की मनमानी से बच्चों का करें बचाव

दीपिका अरोड़ा

मनमानी फ़ीस वसूलने वाले बेलगाम कोचिंग संस्थानों ने जैसे शिक्षा व्यवस्था के मायने ही बदलकर रख दिए हैं। इसी के मद्देनजर, बीते दिनों केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा दिशानिर्देश जारी किए गए। कोचिंग सेंटर विनियमन, 2024 के लिए प्रस्तावित दिशा-निर्देशों के अनुसार, कोचिंग संस्थानों को भ्रामक वादों अथवा रैंक की गारंटी नहीं देनी चाहिए। वे 16 वर्ष से कम आयु के छात्रों को भी नामांकित नहीं करेंगे। यह भी कि छात्र द्वारा कोचिंग छोड़ने पर संस्थानों को उसी अनुपात में पैसा वापस करना होगा। शिक्षकों की योग्यता, नियुक्ति तथा फ़ीस संरचना प्रक्रिया पारदर्शी करने सहित छात्रों को मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मदद उपलब्ध कराने की बात भी कही गई। वहीं नियमों के उल्लंघन पर जुर्माना लगाने के भी प्रावधान हैं।

दरअसल, लगातार बढ़ती नंबरों की होड़ ने हमारे शैक्षणिक ढांचे को तहस-नहस कर डाला है। ज्ञान प्राप्त करने की सहज-सरल व स्वाभाविक प्रक्रिया अब स्कूल-कॉलेजों के दायरे तक सीमित नहीं रही बल्कि प्रतिस्पर्धा के चलते कोचिंग संस्थानों तक पहुंच चुकी है। कई मामलों में तो इसकी शुरुआत 3-4 वर्ष की अबोध आयु से होने लगी है। हाई स्कूल के बाद नीट, आईआईटी-जेईई, क्लैट, सीए, कैट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में तो आकर्षक विज्ञापनों के ज़रिये सफलता दिलाने के दावे किये जाते हैं। कई संस्थानों द्वारा रैंक की गारंटी

देना आम बात है। देखा जाए तो अधिकतर कोचिंग संस्थानों का ध्येय वास्तविक ज्ञान देने की बजाय केवल परीक्षा में सफल होने के तथ्यों-तरीकों-रणनीतियों पर ही केन्द्रित होता है। एक ओर ये कोचिंग सेंटर जहां शिक्षा के मूल मकसद को नष्ट करते हैं, वहीं डमी स्कूलों में डालकर स्कूलों पर से विद्यार्थियों का भरोसा समाप्त करने का कार्य भी करते हैं। एक प्रकार से ये कोचिंग केंद्र नवाचार, वैज्ञानिक रुझान, विचार की स्वतंत्रता के बजाय युवाओं को भीड़तंत्र का हिस्सा बना रहे हैं। यह आपाधापी छात्रों में हिंसक प्रवृत्ति, अवसाद व तनाव को जन्म दे रही है।

एक समय रहा, जब छात्र बिना कोचिंग ही मेडिकल, इंजीनियरिंग आदि कठिन प्रतियोगी परीक्षाएं उत्तीर्ण कर सकते थे किंतु आजकल कोटा, जयपुर, दिल्ली जैसे शहरों में पैठ बनाते कोचिंग संस्थान स्पष्ट आभास दिलाते हैं कि उनके रूप में एक समानांतर शिक्षा व्यवस्था क़ायम हो चुकी है, जिसमें प्रवेश पाए बिना लक्ष्य प्राप्त कभी नहीं हो सकता है। अतिरिक्त दबाव से उपजता तनाव शिक्षा नगरी के रूप में चर्चित राजस्थान के एक शहर को 'सुसाइड नगर' की पहचान दे चुका है। सरकारों की लीपापोती के बावजूद हताश छात्र-छात्राओं द्वारा कई बार अतिवादी कम उठा लेने संबंधी समाचार आते हैं। ऐसे में नई शिक्षा नीति लागू करते समय कोचिंग संस्कृति पर विराम लगाने की बात महज़ क़ाग़ज़ी बन कर ही रह गई। इस तेजी से फलती-फूलती कोचिंग संस्कृति के संवर्द्धन में आख़िर किसे ज़िम्मेदार मानें; अतिव्यस्त अभिभावकों को, जिनके पास बच्चों को खुद पढ़ाने के लिए समय नहीं या फिर महंगे निजी शिक्षण संस्थानों को, जिनमें अंग्रेज़ी पर पकड़ बनाने की चाहत में पैरेंट्स बच्चों को पढ़ाते हैं। कोचिंग अभिभावकों की विवशता बन जाती है। अथवा इसके उत्तरदायी ऐसे सरकारी विद्यालय हैं, जो शिक्षा के नाम पर खानापूर्ति करते नज़र आते हैं? ज़ाहिरा तौर पर हमारी शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की गुंजाइश है।

हालिया दिशानिर्देशों को लेकर अभिभावकों में चर्चा है। निःसंदेह, मानसिक परिपक्वता छात्र द्वारा सही निर्णय लेने में सहायक सिद्ध होगी किंतु तथ्य यह भी है कि प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने की तैयारी 16 वर्ष से पूर्व ही आरम्भ हो चुकी होती है। कोचिंग संस्कृति पर लगाम लगाना निश्चय ही व्यापक विचार-विमर्श का विषय है किंतु करोड़ों का उद्योग बन चुकी इस कोचिंग संस्कृति का प्रारूप बदल पाना इतना सरल नहीं। मात्र दिशानिर्देश जारी होने से क्या कोचिंग संस्थान 16 वर्ष से कम आयु के छात्रों को प्रवेश देना छोड़ देंगे अथवा भ्रामक दावों से बाज़ आ जाएंगे? यूं भी 16 वर्ष से कम आयु के किसी छात्र को कोचिंग की आवश्यकता होने पर प्रवेश से रोकना क्या उचित होगा? देश में कोचिंग संस्कृति ने जिस प्रकार व्यावसायिक रूप धारण कर लिया है, उसे देखते हुए कोचिंग संस्थानों का नियमन करना आवश्यक तो है किंतु इससे भी अधिक जरूरी है, शिक्षा की गुणवत्ता पर पुनर्विचार करना। आख़िर, क्यों हमारा स्कूली पाठ्यक्रम प्रतियोगी परीक्षाओं की कसौटी पर ख़रा नहीं उतर पा रहा? यदि नीति नियंता स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता के प्रति पूर्ण रूप से सचेत होंगे तो बहुत संभव है कि प्रतिभाओं को कोचिंग संस्थानों की शरण ही न लेनी पड़े।

(साभार : द ट्रिब्यून)

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारत-बांग्लादेश के संबंध पड़ोस के लिए आदर्श मिसाल : महमूद

नई दिल्ली/भाषा। बांग्लादेश के विदेश मंत्री हसन महमूद ने बृहस्पतिवार को कहा कि म्यांमा के साथ अपनी सीमा पर बाड़ लगाने के भारत के फैसले से इस देश के साथ ही क्षेत्र को अशांत देश से भड़क रहे उग्रवाद के मद्देनजर मदद मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि बांग्लादेश आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की अपनी नीति पर अडिग है।

विचारक संस्था 'विवेकानंद इंटरनेशनल फाउंडेशन' (वीआईएफ) में एक परिचर्चा सत्र के दौरान महमूद ने करीब 12 लाख ''जबरन विस्थापित'' रोहिंग्या शरणार्थियों को बांग्लादेश पर ''बोझ'' बताया और म्यांमा में उनकी वापसी के लिए भारत से सहायता मांगी।

भारत की यात्रा पर आए महमूद ने कहा कि शरणार्थी बांग्लादेश के लिए अन्य कठिनाइयों के अलावा पर्यावरण और सुरक्षा समस्याएं भी पैदा कर रहे हैं और बांग्लादेश की शेख हसीना सरकार शरणार्थियों के प्रवाह को रोकने के लिए संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) के संपर्क में है।

बांग्लादेश में हाल के संसदीय चुनावों की निष्पक्षता पर सवालों के जवाब में महमूद ने कहा कि यह देश के इतिहास में सबसे जीवंत, भागीदारीपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव था।

पाकिस्तान से बांग्लादेश की मुक्ति में नई दिल्ली की ऐतिहासिक भूमिका का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, भारत सरकार स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने में हमारे साथ खड़ी रही, जैसे वह 1971 में हमारे साथ खड़ी थी।

पिछले महीने संसदीय चुनावों में प्रचंड जीत के बाद हसीना के पांचवें कार्यकाल के लिए सत्ता में आने के बाद महमूद अपनी पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा के तहत मंगलवार से भारत की चार दिवसीय यात्रा पर हैं। भारत और बांग्लादेश के बीच संबंधों की वर्तमान स्थिति को ''सुनहरा अध्याय'' बताते हुए महमूद ने कहा कि दोनों पक्ष अब तीन पहलुओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहे हैं, जिनमें आपसी विश्वास और आत्मविश्वास बढ़ाना, कनेक्टिविटी को बढ़ावा देना और सर्वांगीण आर्थिक सहयोग सुनिश्चित करना शामिल है। उन्होंने कहा, हम अपने संबंधों के सुनहरे अध्याय से गुजर रहे हैं। भारत-बांग्लादेश संबंध आज पड़ोस और लोकतंत्र के लिए एक आदर्श मिसाल है।

बुधवार को विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ अपनी बातचीत का जिक्र करते हुए महमूद ने कहा कि रोहिंग्या, तीस्ता नदी जल और सुरक्षा सहित कई मुद्दों पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच रक्षा और सुरक्षा सहयोग बढ़ रहा है तथा ढाका भारत से रक्षा खरीद करेगा।

भक्ति

नई दिल्ली में गुरुवार को भारत मंडपम में आचार्य श्रील प्रभुपाद की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में भक्त शामिल हुए।

रेल मंत्री को हवाई जहाज में नैपकिन पर सौंपा था प्रस्ताव, वरिष्ठ अधिकारियों ने चर्चा को बुलाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। उद्यमी अक्षय सतनालीवाला ने शायद ही कभी सोचा होगा कि एक उड़ान के दौरान रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पेपर नैपकिन पर एक प्रस्ताव देने के बाद रेलवे प्रशासन बिना समय गंवाए फौरन ही हरकत में आ जाएगा। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को बताया कि पूर्व रेलवे (ईआर) के महाप्रबंधक मिलिंद के देउस्कर और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने यहां क्षेत्रीय मुख्यालय में सतनालीवाला से मुलाकात की और उनकी कंपनी की तरफ से माल ढुलाई के बारे में दिए गए सुझावों पर चर्चा की।

सतनालीवाला पश्चिम बंगाल में एक ठोस अपशिष्ट प्रबंधन कंपनी का संचालन करते हैं और वह इसके निदेशक हैं। वह ठोस अपशिष्ट को विभिन्न इलाकों में मौजूद इकाइयों तक पहुंचाने के सस्ते साधन के रूप में रेलवे का इस्तेमाल करना चाहते हैं। इसी प्रस्ताव पर उनकी रेल अधिकारियों के साथ चर्चा हुई।

रेलवे प्रवक्ता कौशिक मित्रा ने कहा कि सतनालीवाला ने छत्तीसगढ़ के रायपुर और ओडिशा के राजगांगपुर और अन्य इलाकों में विभिन्न उद्योगों में ठोस कचरे के योजनाबद्ध प्रवाह के बारे में बताया। इस पर पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक ने उनके समक्ष रेलवे के जरिये ठोस एवं अन्य अपशिष्ट ले जाने के लिए लचीली शर्तों की पेशकश की।

सतनालीवाला के लिए रेलवे को फौरन हरकत में आते हुए देखना किसी अचरज जैसा था। दरअसल उन्होंने कुछ दिन पहले ही एक उड़ान के दौरान रेल मंत्री को एक पेपर नैपकिन पर अपशिष्ट की रेल ढुलाई के बारे में प्रस्ताव दिया था। उस समय उनके पास नैपकिन के अलावा कोई दूसरा कागज ही नहीं था।

सतनालीवाला ने दो फरवरी को दिल्ली-कोलकाता की उस उड़ान के दौरान सौंपे गए नैपकिन पर लिखा था, सर, आप अनुमति दें तो मैं यह प्रस्ताव रखना चाहूंगा कि सीमेंट संयंत्रों को एएफआर (वैकल्पिक ईंधन और कच्चे माल) की आपूर्ति शृंखला में रेलवे किस तरह अभिन्न अंग बन सकता है और प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत अभियान में भी योगदान दे सकता है।

कोलकाता के युवा उद्यमी उड़ान में वैष्णव को अपना कारोबारी प्रस्ताव सौंपने में कामयाब रहे थे। उन्हें उस समय आश्चर्य हुआ जब कोलकाता हवाई अड्डे पर उतरने के छह मिनट के भीतर ही पूर्व रेलवे महाप्रबंधक कार्यालय से उनके पास फोन आ गया था। उन्हें प्रस्ताव पर चर्चा के लिए छह फरवरी को महाप्रबंधक कार्यालय बुलाया गया था।

इस मुलाकात में रेल अधिकारियों ने सतनालीवाला को सुगम परिवहन की प्रतिबद्धता के साथ एक से दूसरे स्टेशन तक अपशिष्ट की ढुलाई के शुल्क के बारे में प्रस्ताव पेश करने के लिए कहा है। सतनालीवाला इस मामले में रेल मंत्री और रेल अधिकारियों की त्वरित प्रतिक्रिया से काफी खुश हैं और उन्होंने इसके लिए धन्यवाद भी दिया है।

लांच

हैदराबाद में पोस्टिलियन मोबिलिटी टेक्नोलॉजीज के संस्थापक और निदेशक उदय भास्कर वोरुगांती ने गुरुवार को हैदराबाद के बंजारा हिल्स में मोबिलिटी-ऑन-डिमांड टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म ओके चलो लॉन्च किया।

पाकिस्तान में हिंसा की छिटपुट घटनाओं के साथ मतदान संपन्न

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान में आम चुनाव के तहत मतदान बृहस्पतिवार को हिंसा की छिटपुट घटनाओं के साथ संपन्न हो गया। आतंकी हमलों को नाकाम करने के लिए मोबाइल और इंटरनेट सेवाएं सरकार द्वारा स्थगित किए जाने के कारण लोगों को 'कनेक्टिविटी' की समस्याओं का सामना करना पड़ा। मतदान सुबह आठ बजे शुरू हुआ और यह बिना रुके शाम पांच बजे तक जारी रहा। कुल 128,585,760 पंजीकृत मतदाताओं के मतदान करने के लिए देशव्यापी सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया था। मतदान का समय समाप्त हो गया लेकिन मतदान केंद्र परिसर के अंदर मौजूद मतदाताओं को अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने की अनुमति दी गई। देश के कुछ मतदान केंद्रों पर मतदान प्रक्रिया में विलंब होने और चुनावी ड्यूटी पर तैनात सुरक्षाकर्मियों पर आतंकी हमला होने की भी खबर है।

पूर्वोत्तर बहुमूल्य प्राकृतिक सुंदरता, प्रतिभाशाली लोगों से समृद्ध है : मुर्मू

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को कहा कि पूर्वोत्तर बहुमूल्य प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर है और वहां के लोगों में अद्भुत प्रतिभा है जो उनके नृत्य, संगीत, वेशभूषा, हस्तशिल्प और व्यंजनों में दिखाई देती है। राष्ट्रपति भवन में विविधता का अमृत महोत्सव का उद्घाटन करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि पूर्वोत्तर में भारतीय संस्कृति के कई खूबसूरत और विविध रूप देखने को मिलते हैं। मुर्मू ने कहा कि यह बहुत खुशी की बात है कि विविधता का अमृत महोत्सव का पहला संस्करण पूर्वोत्तर के उत्सव के साथ शुरू किया जा रहा है। राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी एक बयान में मुर्मू के हवाले से कहा गया, पूर्वोत्तर को बहुमूल्य प्राकृतिक सुंदरता का आशीर्वाद प्राप्त है। वहां के लोगों में अद्भुत प्रतिभा है जो नृत्य, संगीत, वेशभूषा, हस्तशिल्प और व्यंजनों में दिखाई देती है।

फिल्म 'जियो मेरी जान' का मोशन पोस्टर रिलीज

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी सिनेमा के पावर स्टार पवन सिंह की आने वाली फिल्म जियो मेरी जान का मोशन पोस्टर रिलीज हो गया है। जेपी स्टार पिक्चर्स प्रस्तुत फिल्म जियो मेरी जान के मोशन पोस्टर को जेपी स्टार भोजपुरी के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल से रिलीज भी किया गया है।मोशन पोस्टर के अंत में पवन सिंह का लुक भी आउट होता है, जिसमें उनके चेहरे पर कटस और माथे पर खून लगा हुआ नजर आ रहा है। मोशन पोस्टर जारी होने के बाद फिल्म को लेकर पवन सिंह ने कहा कि यह फिल्म बेहद धमाकेदार होने वाली है। हमने इस फिल्म में शानदार काम किया है, लेकिन अंतिम फैसला दर्शकों का होगा। फिर भी हम इस बात का दावा करते हैं कि इस फिल्म में जो एक्शन देखने को मिलेगा। वह अब तक किसी भी भोजपुरी फिल्म में देखने को नहीं मिला है फिल्म में मेरा किरदार दर्शकों को बेहद पसंद आएगा। ऐसा हम उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि फिल्म का ट्रेलर भी जल्दी आएगा और जल्द ही इस फिल्म का रिलीज डेट भी आउट किया जाएगा। इस फिल्म का निर्माण हाई बजट के साथ एक अलग लेवल पर ही किया गया है। मुझे लगता है किया भोजपुरी की सबसे भव्य फिल्मों से में एक होगी। इसलिए मेरी फिल्म जब भी रिलीज हो आप सभी आशीर्वाद देने जरूर सिनेमा घरों में जाएं।

गौरतलब है कि फिल्म जियो मेरी जान के निर्माता निर्माता उमा शंकर प्रसाद, सह-निर्माता आयुष राज गुप्ता और निर्देशक अनंजय रघुराज हैं। फिल्म में पवन सिंह, रूपाली जाधव, सपना चौहान, संजय वर्मा, विनीत विशाल, साहिल सिद्दीकी, कुणाल सिंह, स्वर्गीय-ब्रजेश त्रिपाठी, जफर खान, संजीव मिश्रा धामा वर्मा, रवि तिवारी, सुजीत भट्ट मुख्य भूमिका में हैं। लेखक राकेश त्रिपाठी हैं। डीओपी देवेंद्र तिवारी हैं। संगीतकर रजनीश मिश्रा, प्रियांशु सिंह और छोटू रावत हैं। गीत विनय बिहारी, आशुतोष तिवारी और अरुण बिहारी का है। कोरियोग्राफर रिक्की गुप्ता, एमके गुप्ता (जॉय) और सोनू सिंह हैं। एक्शन दिलीप यादव और रौशन एवं कला निर्देशक संजय कुमार हैं।

ज़िंदगी चैनल पर प्रसारित होगा 'अब्दुल्लापुर का देवदास'

मुंबई/वार्ता

उर्दू ड्रामा 'अब्दुल्लापुर का देवदास' 'ज़िंदगी' चैनल पर 26 फरवरी से प्रसारित होगा। जिंदगी चैनल अपना बेहद प्रतीक्षित शो अब्दुल्लापुर का देवदास लॉन्च करने जा रहा है। 13 एपिसोड के इस शो को अंजुम शहजाद ने निर्देशित किया और इसे शाहिद डोगर ने लिखा है। 'अब्दुल्लापुर का देवदास' एक छोटे कस्बे की पृष्ठभूमि पर आधारित फखर और काशिफ की कहानी दिखाई गई है, जिनके किरदार क्रमश: 'एक झूठी लव स्टोरी' से मशहूर हुए बिलाल अब्बास, और राजा तालिश ने निभाये हैं। वह दोनों बेस्ट फ्रैंड्स हैं और एक ही लड़की से प्यार करते हैं, जिसका नाम गुलबानो (सारा खान अभिनीत) है। दोनों इस बात से अनजान हैं। हालांकि, गुलबानो की कल्पनाओं में देवदास नाम के एक कवि का बसेरा है। कहानी आगे बढ़ने के साथ काशिफ उसे बताता है कि वही देवदास है और गुलबानो उस पर फिदा हो जाती है। उसे पता नहीं है कि असली देवदास तो फखर है।

सारा खान ने कहा, 'अब्दुल्लापुर का देवदास' ऐसी प्रेम कहानी है, जो दिल तोड़ने के बावजूद प्रासंगिक है। इस अनोखी पटकथा पर ऐसे प्रतिभाशाली लोगों के साथ काम करने का अनुभव बेहतरीन था। पहली मीटिंग में कहानी सुनने के बाद ही मैं गुलबानो की भूमिका निभाना चाह रही थी। शहजाद नवाज, सवीरा नदीम, बिलाल अब्बास और बाकी कलाकारों के साथ काम करना किसी भी एक्टर के लिये सपने के सच होने जैसा है। निर्देशक अंजुम शहजाद ने शो के हर छोटे पहलू पर काम किया है और इससे मुझे अपनी पूरी क्षमता में गुलबानो का किरदार निभाने की चाहत मिली। यह शो ज़िंदगी पर रिलीज हो रहा है, इसलिये मैं बहुत उत्साहित हूँ। भारतीय दर्शकों ने हमेशा प्यार लुटाया है और मैं दिल को छूने वाली हमारी कहानी पर उनके रिस्पॉन्स का बेसब्री से इंतजार कर रही हूँ।''

काशिफ की भूमिका निभा रहे राजा तालिश ने कहा, 'मैं उत्साहित हूँ कि 'अब्दुल्लापुर का देवदास' ज़िंदगी के जरिये भारतीय स्क्रीन पर आ रहा है। इस प्रोजेक्ट पर सारे कलाकारों और क्रू का जो भरोसा था, उसी से एक शानदार कहानी बनी है। इसे फिल्माने का सफर वास्तविक और प्रभावी रहा। इसे देखकर हम ऐसी और भी कहानियाँ चाहेंगे और मुझे खुशी है कि मैं इसका हिस्सा हूँ। अब यह टीवी पर रिलीज हो रही है और मैं देखने के लिये उत्सुक हूँ कि दर्शक प्यार, कुर्बानी और दोस्ती की इस कहानी पर क्या प्रतिक्रिया देते हैं। हम सभी के लिये यह एक रोमांचक पल है।''

अंजुम शहजाद ने कहा, 'अब्दुल्लापुर का देवदास' एक प्रेम कहानी से बढ़कर है, यह मानवीय भावनाओं की एक रोलर कोस्टर राइड है। प्यार और देवदास एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। चाहे पुराना देवदास हो या आज का अब्दुल्लापुर का देवदास, दोनों की कहानियों में सच्चा प्यार है। शैलजा केजरीवाल (प्रोड्यूसर, भारत) इस कहानी को साकार करने में महत्वपूर्ण रहीं। अंतर-सांस्कृतिक कहानियाँ कहने के लिये जिन्दगी एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म रहा है। मुझे भारत में अपने दोस्तों का फीडबैक देखने का इंतजार है।'' जिन्दगी चैलल पर 'अब्दुल्लापुर का देवदास' के रिलीज को लेकर प्रोड्यूसर शैलजा केजरीवाल ने कहा, 'यह एक छोटे-से कस्बे अब्दुल्लापुर की कहानी है, जिसमें जुनून, दिल का टूटना और आकस्मिक मोड़ दिखते हैं। यहाँ रिश्तों का बेहद उलझा हुआ ताना-बाना सामने आता है। 'अब्दुल्लापुर का देवदास' मानवीय हृदय की गहराई में जाती है और दिखाती है कि प्यार की ऊँचाइयों पर आकस्मिक मोड़ और धोखा भी मिल सकता है। मैं बहुत ही उत्सकुता से इंतजार कर रही हूँ कि आप इस दिलचस्प कहानी और हमारे प्रतिभाशाली कलाकारों के दमदार प्रदर्शन को देखें। उन्होंने दुनिया में चल रहे प्यार के उतार-चढ़ावों पर रोशनी डाली है।'

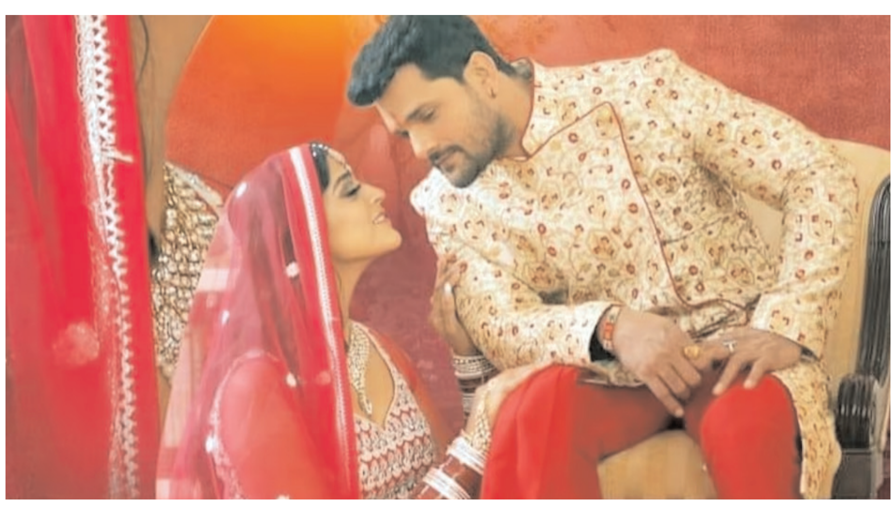

16 को रिलीज होगी फिल्म 'प्यार के बंधन'

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी सिनेमा के सुपर स्टार खेसारीलाल यादव और अभिनेत्री यामिनी सिंह की फिल्म प्यार के बंधन 16 फरवरी को रिलीज होगी। यशी फिल्म्स प्रा. लि. प्रस्तुत फिल्म प्यार के बंधन के निर्माता अभय सिन्हा और निर्देशक अनंजय रघुराज हैं।अभय सिन्हा ने बताया कि यह बेजोड़ फिल्म है। प्रेम के इस महीने में युवाओं को हमारी फिल्म खूब पसंद आएगी। इस फिल्म को रेणु विजय फिल्म्स एंटरटेनमेंट और निशांत उज्जवल इस फिल्म का वितरण कर रहे हैं। वहीं, खेसारीलाल यादव ने फिल्म प्यार के बंधन को लेकर कहा कि यह फिल्म बंसत ऋतु, जो प्रेम का महीना होता है, उसमें हमारी फिल्म आ रही है। यह फिल्म आपके दिलों को छू लेगी। इसकी कहानी मजेदार है। प्रेम भरे गाने दर्शकों के मन मस्तिष्क पर छा जाने वाले हैं। संवाद भी रोमांस से भरपूर है।

इस फिल्म में मैंने एक सशक्त भूमिका का निर्वहन किया है, इसलिए मेरी अपील है कि आप सभी हमारी फिल्म को देखें और खूब प्यार एवं आशीर्वाद दें।

यामिनी सिंह ने कहा कि यह सम्पूर्ण पारिवारिक फिल्म है और इसका निर्माण भव्यता के साथ किया गया है। यशी फिल्म्स एक बार फिर से एक शानदार फिल्म लेकर तैयार है. फिल्म पारिवारिक है, इसलिए मैं यही कहूंगी कि सभी इस फिल्म को अपने परिवारजनों और दोस्तों के साथ देखें। गौरतलब है कि फिल्म प्यार के बंधन के लेखक अरबिंद तिवारी हैं। फिल्म के संगीतकार ओम झा, कृष्णा बेदर्दी और शुभम तिवारी हैं। गीतकार अरबिंद तिवारी, कृष्णा बेदर्दी, अंकित तिवारी, दुभ दयाल सोहरा, राकेश निराला और विनय निर्मल हैं। छायांकन वासु हैं। कोरियोग्राफी रिकी गुप्ता ने की है।

मां ने मुझे थिएटर जाने और सिनेमा देखने के लिए प्रोत्साहित किया : बोमन ईरानी

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड के जानेमाने चरित्र अभिनेता बोमन ईरानी ने बताया है कि उनकी मां ने उन्हें थिएटर जाने और सिनेमा देखने के लिए प्रोत्साहित किया है। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, ब्रिटिश संसद और भारतीय उद्यायोग जैसे प्रतिष्ठित स्थानों पर बोमन ईरानी की उपस्थिति और प्रभावशाली शब्दों ने न केवल भारत को गौरवान्वित किया है, बल्कि कई लोगों के लिए प्रेरणा का काम भी किया है। ऑक्सफोर्ड की अपनी यात्रा के दौरान, बोमन ईरानी ने एक यादगार भाषण दिया और सिनेमा से परे उनके प्रभाव के लिए डॉ अदिति लाहिरी से प्रशंसा प्राप्त की। अपनी जीवन यात्रा पर विचार करते हुए, बोमन ईरानी ने उल्लेखनीय क्षणों को साझा किया, जिसमें बचपन के अनुभवों से लेकर अपनी मां द्वारा थिएटर के लिए प्रोत्साहन के तहत एक फोटोग्राफर के रूप में काम करने सहित अपनी विविध भूमिकाएं शामिल हैं।

बोमन ईरानी ने कहा, मैं डिस्लेक्सिक था और मैं बहुत तुतलाता था और जब भी मैं बोलता था तो हर कोई हंसता था। मुझे डर रहेगा कि लोग मेरा मज़ाक उड़ाएँगे। मुझे यह समझने में कई साल लग गए कि आप डरने का जोखिम नहीं उठा सकते।एक दिन स्कूल में एक कॉन्सर्ट था और मेरी मां ने मुझे मुस्कुराते और गाते हुए देखा। तभी उन्हें एहसास हुआ कि मुझे दर्शकों के सामने मंच पर रहना पसंद है और उन्होंने मुझे प्रोत्साहित किया, भले ही मेरे अंक बहुत अच्छे नहीं थे। उन्होंने मुझे थिएटर जाने, स्पीच थेरेपिस्ट के पास जाने और हर दिन सिनेमा देखने जाने के लिए प्रोत्साहित किया क्योंकि मेरी शिक्षा सिनेमा के माध्यम से हुई थी।

गॉसिप के बाद फीस बढ़ाने पर विचार कर सकती हैं रश्मिका मंदाना

मुंबई/एजेन्सी

पिछले साल 1 दिसंबर को रिलीज हुई फिल्म 'एनिमल' ने बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी। साउथ इंडियन डायेरक्टर संदीप रेड्डी वांगा की यह फिल्म रणबीर कपूर, अनिल कपूर, बॉबी देओल, रश्मिका मंदाना, तृप्ति डिमरी जैसे सितारों से सजी थी। फैंस ने इसके सभी कलाकारों पर भरपूर प्यार लुटाया। साउथ इंडियन एक्ट्रेस रश्मिका भी फिल्म के बाद से ही जबरदस्त लाइमलाइट में है। उनकी रणबीर के साथ जोड़ी खूब फबी। उन्होंने 'गीतांजलि' का किरदार निभाया था। रश्मिका की फैन फॉलोइंग में तगड़ा इजाफा हुआ है।

अब खबर आ रही है कि फिल्म की सक्सेस के बाद से रश्मिका ने अपनी फीस बढ़ा दी है। अब इस पर रश्मिका की रिएक्शन सामने आई है। एक पोर्टल ने लिखा कि रश्मिका ने 'एनिमल' की सफलता के बाद अपनी फीस बढ़ा दी है और अब वह एक फिल्म के लिए 4-4.5 करोड़ रुपए ले रही हैं। इस पर रश्मिका ने जवाब दिया, कौन कह रहा है। यह सब देखने के बाद लगता है कि मुझे इस बारे में सोचना चाहिए। अगर मेरे प्रोड्यूसर पूछेंगे क्यों फीस बढ़ानी है तो मैं कहूंगी कि मीडिया कह रहा है सर। मुझे उनकी बातें माननी चाहिए शायद...क्या करूं अब? बता दें कि रश्मिका की फिल्म 'पुष्पा 2' रिलीज के लिए तैयार है। इसमें अल्लू अर्जुन उनके साथ लीड रोल में हैं।

रश्मिका तेलुगु फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' और विकी कौशल के साथ बॉलीवुड फिल्म 'छावा' मंस दिखेंगी। चर्चा है कि 'एनिमल' के सीक्वल 'एनिमल पार्क' में भी रश्मिका मंदाना नजर आएंगी। रश्मिका 'गुड बॉय', 'मिशन मजनूं' जैसी हिंदी फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं। साल 2021 में रिलीज हुई 'पुष्पा द राइज' उनके करिअर के लिए टर्निंग पॉइंट साबित हुई थी।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.
आचार्यश्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी ने पंचकल्याणक महोत्सव के बारे में बताते हुए कहा कि यह कल्याणक हमें अपने जीवन का कल्याण करना सिखाते हैं।

बिग बॉय टॉयज ने नए शोरूम की शुरुआत की

कर्नाटक बाजार से 200 करोड़ रु. के राजस्व का लक्ष्य रखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। लग्जरी कार क्षेत्र में अग्रणी कंपनी बिग बॉय टॉयज ने अपने पांचवें शोरूम का बेंगलूरु में उद्घाटन किया है। यह विस्तार कर्नाटक में राजस्व वृद्धि को बढ़ावा देने पर ध्यान देने के साथ ब्रांड की डिजिटल सफलता को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कंपनी ने बताया कि रिचमंड सर्कल में स्थित नया शोरूम ऑडी, बीएमडब्ल्यू, मर्सिडीज-बेंज, बेंटलेज, रोल्स-रॉयस और पोर्श सहित उच्च-स्तरीय लग्जरी कारों की एक विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध कराता है। कर्नाटक में पहले ही 100 करोड़ रुपए के मील के पत्थर को पार कर चुके मजबूत डिजिटल व्यवसाय को हासिल करने के बाद इस बाजार से 200 करोड़ राजस्व का लक्ष्य रखा गया है। बिग बॉय टॉयज ने बेंगलूरु में समर्पित ग्राहक आधार तैयार किया है, जहां लग्जरी कार प्रेमियों ने निर्बाध लेनदेन के लिए ब्रांड के डिजिटल प्लेटफॉर्म को अपनाया है। नया शोरूम एक व्यापक, व्यक्तिगत लग्जरी कार खरीदने के अनुभव की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए उठाया गया रणनीतिक कदम है।

बिग बॉय टॉयज के संस्थापक और प्रबंध निदेशक जतिन आहूजा ने कहा, 'हम बेंगलूरु में अपनी मौजूदगी का विस्तार करके रोमांचित हैं। हमारा मानना है कि हमारे मूल्य और संबंध-आधारित व्यवहार ही बेहतर गुणवत्ता का आश्वासन हैं।

हमारा यह भरोसा एक और शानदार शोरूम के साथ-साथ बेंगलूरु में भी बढ़ रहा है। यह पूरे भारत में हमारा पांचवां स्टोर है और हम कार प्रेमियों को 30 विदेशी ब्रांडों से सर्वश्रेष्ठ लक्जरी कार अनुभव प्रदान करने के लिए तत्पर हैं।'

एचपीएल मकाना क्रिकेट कप आज से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हलसूर प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता 'एचपीएल मकाना कप' का आयोजन गोटावत जैन कॉलेज में आयोजित की गई जिसमें हलसूर की 6 टीमों ने भाग लिया।

ट्रिपी एसकेप्स टीम के मालिक उत्तमचंद तातेड, टीम नवरंग के नेमीचन्द सेठिया, टीम हेप्पी होम के अशोककुमार आच्छा, टीम खींवराज वन के पुष्पराज चोरडिया, टीम मितेष ज्वेल्स के जयंतीलाल गादिया एवं टीम प्रिंस इलेवन के मालिक प्रिंस टफ ग्लास थे।

जयप्रकाश मकाना सहित अनेक प्रतिष्ठानों ने प्रायोजकों की भूमिका निभाई। जैन संघ के अध्यक्ष नेमीचन्द चोरड़िया व मंत्री अभयकुमार बांठिया ने अमावस्या एवं रविवार को होने वाले इस आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी।

मागड़ी रोड सुमतिनाथ जैन मंदिर सह दादावाड़ी प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव

प्रभु प्रतिष्ठा के पंचकल्याणक स्टेज कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उमड़े श्रद्धालु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड स्थित सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ में सुमतिनाथ जिनालय सह दादावाड़ी, गुरु मंदिर अंजनशलाका प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव व भागवती दीक्षा महोत्सव प्रतिष्ठा निश्रादाता खरतरगच्छाधिपति आचार्यश्री जिनमणिप्रभसूरीजी की निश्रा में चौथे दिन सुबह मंदिर में जन्म कल्याणक विधान हुआ तथा कौशल्यानगरी, गौतम शालिभद्रनगरी का उद्घाटन लाभार्थी परिवारों द्वारा किया गया। गुरुवार से शुरु हुए पंचकल्याणक के स्टेज प्रोग्राम में च्यवन कल्याण महोत्सव व जन्म कल्याणक महोत्सव का पात्रों द्वारा मंचन किया गया। इसके अलावा 56 दिककुमारी महोत्सव , इन्द्रासन कम्पन, मेर पर्वत पर प्रभु के 250 अभिषेक प्रसंग का मंचन किया गया। दोपहर में दीक्षार्थी डोराबंधन व पार्श्वनाथ पंचकल्याणक पूजा का आयोजन भी किया गया। मंदिर में रोहित गुरुजी ने विभिन्न पूजा अनुष्ठानों का विधि विधान कराया। जाने माने संगीतकार विपिन पोरवाल ने संगीतमय ढंग से पंचकल्याणक कार्यक्रमों को गति प्रदान की।

इस मौके पर आचार्यश्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी ने पंचकल्याणक महोत्सव के बारे में बताते हुए कहा कि यह कल्याणक हमें अपने जीवन का कल्याण करना सिखाते हैं। हमें इन कल्याणकों के माध्यम से प्रभु के जीवन में घटी अद्भुत घटनाओं की जानकारी होती है। उन्होंने कहा कि सभी जैन परिवारों को अपने अपने घर के सभी सदस्यों को इन स्टेज कार्यक्रम में अवश्य ही शामिल करना चाहिए ताकि सभी परिवारजनों को प्रभु जीवन की जानकारी मिल सके। इस मौके पर बड़ी संख्या में पुरुष व महिला श्रद्धालु उपस्थित थे। सुमति जिन भक्ति मंडल, सुमति लब्धि जैन शासन सेवा मंडल, सुमति जिन बैंड मंडल, सुमति वारि स्मृति महिला मंडल, सुमति श्राविका बहु मंडल ने विभिन्न व्यवस्थाओं में सहयोग दिया।

समय का सदुपयोग हमारे जीवन को सफल बनाता है : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हासन। शहर के आदिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ में विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी की निश्रा में मुमुक्षु मनुष्यकुमार सोफाड़िया के संयम स्वीकारोत्सव निमित्त आयोजित वस्त्र रंगोत्सव का आयोजन रखा गया। इस मौके पर आचार्यश्री ने कहा कि जीवन में कभी की कोई भी संसाधन की बर्बादी नहीं करनी चाहिए। मानव की फितरत है कि जब दूसरे कोई वस्तु या सामग्री को बर्बादी करते है तो वह ज्ञान देता है परन्तु जब स्वयं की बारी आती है तो परवाह नहीं करते । समय का दुरुपयोग इसका सबसे सामान्य उदाहरण है। इस संसार में हमें किसी भी चीज को बर्बाद नहीं अपितु बचाना होगा तभी हम इस संसार में ज्यादा दिनों तक संसाधनों व समय का उपयोग कर सकते है। समय का सदुपयोग हमारे जीवन को सफल बनाता है।

सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु का महिला संगठन 'मातृछाया' की मनीषा सालेचा, वीणा सालेचा, दीपमाला जैन के नेतृत्व से अध्यक्षा ललिता नागोरी आदि 20 सदस्याओं ने गुरुवार को जयनगर स्थित शांति फाउंडेशन सेवाश्रम में स्लम क्षेत्र के दो सौ बच्चो को खाद्य सामग्री, फलाहार व कपड़े प्रदान किए। इस आश्रम में बच्चों को फाउंडेशन द्वारा निशुल्क शिक्षा व भोजन उपलब्ध कराया जाता है। संस्था की सदस्याओं ने प्रतिमाह सहयोग करने का आश्वासन दिया।

लांबिया ग्राम विकास के लिए मुणोत बंधुओं का ग्रामवासियों ने किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/लाम्बिया। कर्मभूमि के साथ जन्मभूमि के विकास के लिए हमेशा तत्पर महेन्द्र-हंसराज मुणोत बंधु अपने मूल ग्रामपाली शहर के निकट लांबिया गांव पहुंचे जहां ग्रामीणों ने बुधवार को उनका सम्मान किया। गांव के सरपंच मदनलाल मेघवाल, उपसरपंच नेमसिंह राजपुरोहित, ग्राम विकास अधिकारी कृष्ण कुमार, कनिष्ठ सहायक नरेश चौधरी समेत ग्रामीणों ने मुणोत भाइयों को स्मृति चिन्ह भेंट किया।

यह सम्मान मुणोत परिवार द्वारा अपने पैतृक गांव लांबिया में पशु चिकित्सालय, सामुदायिक भवन, घर-घर जल पहुंचाने के लिए पाइपलाइन बिछाने में योगदान एवं उल्लेखनीय सेवाओं के लिए ग्राम वासियों ने दिया।

तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा कैंसर जागरुकता अभियान का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर के तत्वावधान में 'कैंसर जागरुकता अभियान' कार्यक्रम का आयोजन राम्मैया मेमोरियल हॉस्पिटल में किया गया। अध्यक्ष मंजू गादिया ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आन्कोलॉजी निदेशक डॉक्टर हरीश एच. ने कैंसर के विषय में बताते हुए कैंसर होने के कारण व लक्षण की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक अवस्था में अगर कैंसर का पता चल जाता है तो उन्हें पूरी तरह ठीक किया जा सकता है। डॉ हरीश ने बताया कि वर्तमान समय में मोबाइल फोन जो हमारी जीवनचर्या का अभिन्न अंग बन चुका है उसका भी अत्यधिक उपयोग कैंसर का एक कारण बन सकता है। उन्होंने कहा कि जीवनचर्या में परिवर्तन कर कैंसर से बच सकते हैं इसके कई टिप्स भी बताए।

मंडल की सदस्याओं ने अस्पताल के कैंसर मरीजों से मुलाकात कर उन्हें जूस वितरित किया तथा भक्तामर स्त्रोत के कार्ड बांटे। डॉक्टर हरीश का सम्मान किया गया। कैंसर चिकित्सा विभाग की मंत्री चेतना एवं मेडिकल सोशल वर्कर सोमशेखर ने मंडल को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में मंडल की संरक्षिका भंवरीबाई कोठारी, मंत्री एवं कार्यक्रम संयोजिका दीपिका गोखरू, उपाध्यक्ष बरखा पुगलिया एवं सुमित्रा बरडिया, कोषाध्यक्ष मंजू भंसाली, सहमंत्री हंसा दुगड़ एवं ललित डागा, प्रचार प्रसार मंत्री अनीता जीरावला, संगठन मंत्री सरिता छाजेड़ आदि उपस्थित थीं।

सूर्य मंदिर परिसर में वैदिक प्रतिष्ठापन एवं निधि कलश स्थापना सम्पन्न

लाभार्थी सुनील शर्मा परिवार ने किया विधि विधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शाकद्वीपीय मग ब्राह्मण समाज के मुख्य आराध्य भगवान भुवन भास्कर के जेपी नगर में निर्माणाधीन सूर्य मंदिर में पूजा अनुष्ठान किया गया। गुरुवार प्रातः चार बजे ब्रह्म मुहूर्त में श्रृंगेरी मठ के विद्वान आचार्य पंडित राममूर्ति के आचार्यत्व में लाभार्थी सुनील शर्मा परिवार द्वारा वैदिक मंत्रों के साथ विधिविधानपूर्वक पूजा-अर्चना कर मंदिर गर्भ गृह में वैदिक एवं निधि कलश की स्थापना की। इस मौके पर मंदिर प्रांगण में भगवान भास्कर के जयघोष होता रहा। इस अवसर पर सुनील शर्मा, संतोष शर्मा, चेतन शर्मा, राजेश शर्मा, बाबूलाल पांचेटिया, विजयकुमार, वीरेंद्र शर्मा, बाबूलाल बेड़ा, हुक्मीचंद, संदीप शर्मा, नरेंद्र शर्मा, भूपेश कश्यप, सुरेश शर्मा, घनश्याम शर्मा, अशोक शर्मा, कैलाश शर्मा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

संगोष्ठी

इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी बेंगलूरु (आईआईआईटी-बी) में सेंटर फॉर आईटी एंड पब्लिक पॉलिसी ने गुरुवार को डिजिटल सोसायटी में उभरते अवसर और चुनौतियां विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में सीआईटीएपीपी के अनुसंधान और आउटरीच गतिविधियों का अवलोकन, इतिहास रिसर्च एंड डिजिटल से लिखित डिजिटल सोसाइटी सर्वेक्षण रिपोर्ट का विमोचन और वर्तमान समय में प्रस्तुत अवसरों और चुनौतियों पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया गया। पैनल चर्चा में नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी बेंगलूरु के कुलपति प्रो. सुधीर कृष्णास्वामी, सेंटर फॉर पब्लिक पॉलिसी, आईआईएम बेंगलूरु की प्रोफेसर राजलक्ष्मी कामत और रिपोर्ट के लेखक डॉ. एन.दयासिंधु और कृष्णन नारायणन, प्रोफेसर बालाजी पार्थसारथी, आईआईआईटी-बी के निदेशक प्रोफेसर देबब्रत दास ने हिस्सा लिया।

केआर पुरम में नौकुण्डीय गायत्री महायज्ञ के साथ अनेक संस्कार सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय गायत्री परिवार कर्नाटक के तत्वावधान में केआर पुरम में नौ कुंण्डीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया जिसमें यज्ञ संचालन से लेकर सामान्य प्रबंधन के सभी कार्य गायत्री परिवार की नारी शक्ति ने संपन्न कराए।

यज्ञ के साथ विविध संस्कार भी संपन्न कराए गए। यज्ञ का आयोजन अंबिका अनिल गौड़ा के सहयोग से हुआ। यज्ञीय कार्यक्रम का संचालन यज्ञ आचार्या रमामणि और चंदना ने किया। सात जन्मदिवस संस्कार, दो विवाह दिवस संस्कार और एक दीक्षा संस्कार संपन्न कराए गए। इस यज्ञीय कार्यक्रम में लगभग 300 से अधिक परिजनों का योगदान रहा।

इस कार्यक्रम में वरिष्ठ कार्यकर्ता के रूप में गुरुराज राव ने गुरुदेव श्रीराम शर्मा आचार्य के जीवन दर्शन के बारे में जानकारी दी। वेंकटेशु ने शांतिकुंज गुरुधाम और कन्नड़ शिविरों के बारे में, केशव मोदी व मुकेश गुप्ता ने गौपालन व सेवा की जानकारी दी। इस मौके पर अनेक कार्यकर्ताओं का सहयोग मिला।

पुलिसकर्मी ने महिला के खिलाफ हनी ट्रैपिंग की शिकायत दर्ज कराई

गदग। गदग जिले में एक युवती के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार के आरोप में निलंबित पुलिस कांस्टेबल ने गुरुवार को उसके खिलाफ हनी ट्रैपिंग की शिकायत दर्ज कराई। निलंबित पुलिसकर्मी शंकर ने अपनी शिकायत में कहा कि उसका महिला के साथ अवैध संबंध था। शंकर ने आरोप लगाया कि महिला ने मेरी जानकारी के बिना निजी वीडियो रिकॉर्ड किए और तस्वीरें ली।

बीजेएस की बैठक में राज्यस्तरीय सम्मेलन के लिए दिया आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। भारतीय जैन संगठन मैसूरु चैप्टर की बैठक राष्ट्रीय सचिव दिनेशकुमार पालरेचा, कर्नाटक के संस्थापक अध्यक्ष ओमप्रकाश लुणावत, राज्य अध्यक्ष उत्तमचन्द बाठियां एवं उपाध्यक्ष प्रकाश गुलेच्छा की उपस्थिति में महावीर भवन में आयोजित हुई। मैसूर चैप्टर के अध्यक्ष प्रवीण लुंकड़ ने स्वागत किया तथा प्रतिभाशाली बच्चों का सम्मान किया गया । मैसूर चैप्टर उपाध्यक्ष राजन बाघमार, कोषाध्यक्ष मनोहर सांखला, सयुंक्त सचिव नेमीचंद बड़ोला सहित अनेक सभा संस्था के पदाधिकारी उपस्थित थे। बीजेएस पदाधिकारी द्वारा बीजेएस की गतिविधियों की जानकारी देते हुए उपस्थित सभी संस्थाओं को 25 फरवरी बेंगलूरु में आयोजित राज्यस्तरीय सम्मेलन हेतु आमंत्रण पत्रिका देकर आमंत्रित किया। कार्यक्रम का संचालन पूर्व अध्यक्ष अशोक सालेचा ने किया तथा आभार सचिव कुशल पारलेचा ने किया ।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com